E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक -104 | प्रयागराज, बुधवार 01 जुलाई, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

पीओके में प्रदर्शन

लोग बोले- हम पाकिस्तान का हिस्सा नहीं, रु1 करोड़ का इनामी शौकत नवाज गिरफ्तार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में पाकिस्तान सरकार के खिलाफ प्रदर्शन तेज हो गए हैं। मंगलवार को रावलकोट के ईदगाह ग्राउंड में हजारों लोग जुटे। उन्हेंने कहा कि पीओके पाकिस्तान का हिस्सा नहीं है।यह आंदोलन जम्मू-कश्मीर अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) की अगुआई में चल रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जेएएसी के प्रमुख नेता शौकत नवाज मीर को दो साथियों के साथ धीरकोट के सांगर फत्तारे इलाके से गिरफ्तार कर लिया गया। पीओके में जेएएसी के 600 से ज्यादा नेता और कार्यकर्ताओं को भी हिरासत में लिया गया है। शौकत नवाज मीर समेत जेएएसी के नेताओं की गिरफ्तारी की सूचना देने वालों के लिए पाकिस्तान सरकार ने रु1 करोड़ के इनाम की घोषणा की थी।

प्रदर्शनकारी बोले- हमें नहीं, पाकिस्तान को हमारी जरूरतः- प्रदर्शन के दौरान जेएएसी नेता सरदार अमन खान ने कहा, 'हमें आपके राशन की जरूरत नहीं, आपको हमारी जरूरत है। अगर जरूरी सामान की सप्लाई बंद रही तो लोग जिंदा रहने के लिए दूसरा रास्ता चुनने को मजबूर होंगे।' उनका आरोप है कि पाकिस्तान सरकार आंदोलन को दबाने के लिए जानबूझकर जरूरी सामान की सप्लाई रोक रही है। महंगाई से शुरू हुआ आंदोलन, अब राजनीतिक मुद्दा बनाः-रिपोर्ट के मुताबिक, आंदोलन महंगाई, खाद्य संकट, बढ़ती कीमतों और स्थानीय प्रशासन के मुद्दों को लेकर शुरू हुआ था। अब यह पाकिस्तान सरकार के खिलाफ राजनीतिक विरोध का रूप ले चुका है। हाल ही में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने रावलकोट और मीरपुर के लोगों को 'असल कश्मीरी नहीं' बताया था। इसके बाद विरोध और बढ़ गया।रिपोर्ट के मुताबिक, जेएएसी के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं पर आतंकवाद विरोधी कानून के तहत केस भी दर्ज किए गए हैं। सरकार ने 5 जून को जेएएसी पर आतंकवाद विरोधी कानून के तहत प्रतिबंध लगा दिया था। इसके बाद से इलाके में तनाव लगातार बढ़ रहा है। इंटरनेट बंद, 22 मौतों का दावाः-रिपोर्ट के मुताबिक, जून की शुरुआत से पीओके के कई इलाकों में इंटरनेट सेवाएं सीमित हैं। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि आंदोलन की तस्वीरें और वीडियो बाहर जाने से रोकने के लिए ऐसा किया गया है।

जनरल द्विवेदी आर्मी चीफ पद से हुए सेवानिवृत्त, बोले- सेना ने जिम्मेदारियां बखूबी निभाईं, ऑपरेशन सिंदूर उदाहरण

नए जनरल धीरज सेठ ने पदभार संभाला

नयी दिल्ली। जनरल उपेंद्र द्विवेदी मंगलवार को आर्मी चीफ के पद से रिटायर हो गए। रिटायरमेंट

से पहले उन्होंने नई दिल्ली स्थित नेशनल वॉर मेमोरियल पर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की। द्विवेदी ने कहा- दो सालों में भारतीय सेना ने हर मोर्चे पर अपनी तैयारी, संतुलन और सतर्कता मजबूत बनाए रखी। ऑपरेशन सिंदूर इसका प्रमुख उदाहरण है। उन्होंने कहा कि आज मैं यह जिम्मेदारी जनरल धीरज सेठ को सौंप रहा हूं। वह एक अनुभवी सैनिक और सक्षम नेता हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि उनके नेतृत्व में भारतीय सेना अपनी गौरवशाली परंपराओं को कायम रखते हुए नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगी। द्विवेदी की जगह जनरल धीरज सेठ ने ली है। उन्होंने आज कार्यभार संभाल लिया है। सेठ भारत के 31वें आर्मी चीफ हैं। उन्हें भारतीय सेना में लगभग चार दशक का अनुभव है। उन्होंने दिसंबर 1986 सेना ज्वॉइन की थी। जनरल द्विवेदी ने कहा कि उत्तरी सीमाओं पर ऑपरेशन स्नो लेपर्ड के तहत हमारी तैनाती पूरी मजबूती और चौकसी के साथ रही। पश्चिमी मोर्चे पर भी सेना ने गंभीरता और संयम के साथ अपनी जिम्मेदारियां निभाईं। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े हर मामले में भारतीय सेना ने स्पष्ट उद्देश्य, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्व निभाए हैं, जिससे न्यू नॉर्मल की नई परिभाषा स्थापित हुई है। इस दौरान तीनों सेनाओं के बीच तालमेल और मजबूत हुआ है। थल सेना, नौसेना और वायुसेना ने साझा दृष्टिकोण, आपसी विश्वास और बेहतर समन्वय के साथ काम किया है। वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर स्थिति फिलहाल स्थिर, लेकिन संवेदनशील बनी हुई है। भारतीय सेना ने सीमा पर मजबूत तैनाती बनाए रखी है और किसी भी तरह की चुनौती या आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। सेना बैकग्राउंड वाले परिवार से आते हैं सेठः- आर्मी चीफ सेठ सेना के बैकग्राउंड वाले परिवार से आते हैं।

पाक बोला- हमारा पानी रोका तो हाथ काट देंगे, सिंधु जल संधि अब भी लागू, अपनी तरफ से खत्म नहीं कर सकता

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने सिंधु जल संधि पर एक बार फिर भारत को धमकी दी है। पाकिस्तान के जलवायु परिवर्तन मंत्री मुसादिक

मलिक ने कहा कि अगर किसी ने पाकिस्तान के हिस्से का पानी रोकने की कोशिश की तो हम उन हाथों को काट देंगे। उन्होंने दावा किया कि भारत पाकिस्तान के हिस्से के पानी को रोकना चाहता है। मुसादिक मलिक ने सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार के साथ जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा-'पड़ोसी देश के प्रधानमंत्री के हाथ में एक नल है। वे कहते हैं कि पाकिस्तान में पानी की एक बूंद भी नहीं जाने देंगे। जो हमारे हिस्से के पानी पर दावा करेंगे, उनके हाथ काट दिए जाएंगे।' वहीं अताउल्लाह तरार ने कहा कि सिंधु जल संधि कानूनी रूप से अब भी लागू है। भारत इसे न तो एकतरफा स्थगित कर सकता है, न रद्द कर सकता है और न ही इसमें बदलाव कर सकता है। सिंधु जल संधि पर सेमिनार करेगा पाकिस्तानः- पाकिस्तानी मंत्रियों ने बताया कि मंगलवार को इस्लामाबाद में सिंधु जल संधि पर पहला अंतरराष्ट्रीय सेमिनार किया जाएगा। इसमें कानूनी एक्सपर्ट, जल एक्सपर्ट्स और विदेशी प्रतिनिधि शामिल होंगे। सेमिनार में संधि के कानूनी और तकनीकी पहलुओं पर चर्चा होगी। डॉन के मुताबिक, तरार ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत पाकिस्तान के अधिकार सुरक्षित हैं। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

जुलाई में 7 बदलाव

कॉमर्शियल सिलेंडर 180 रुपए सस्ता,पासपोर्ट बनवाना पड़ेगा महंगा, ट्रेन में बिना टिकट दोगुना लगेगा जुर्माना

नयी दिल्ली। कॉमर्शियल सिलेंडर आज यानी 1 जुलाई से औसतम 180 रुपए सस्ता हो गया है। दिल्ली में ये ?2930 का मिल रहा है। वहीं अब पेट्रोल पंपों पर एक गाड़ी में एक दिन में सिर्फ 200 लीटर डीजल भरने की सीमा खत्म हो गई है। इसके अलावा अब पासपोर्ट बनवाना या री-इश्यू कराना महंगा हो गया है। सामान्य पासपोर्ट की फीस रु1,500 से बढ़कर रु2,500 हो गई। वहीं नयारा एनर्जी ने पेट्रोल 5 रुपए प्रति लीटर और डीजल 3 रुपए प्रति लीटर सस्ता कर दिया है।बदलावः तेल कंपनियों ने कॉमर्शियल गैस सिलेंडर औसतन रु180 रुपए तक सस्ता कर दिया है। दिल्ली में इसकी कीमत रु2930 हो गई है। पहले ये रु3113.50 में मिल रहा था। असरः कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम घटने से रेस्टोरेंट मालिकों का खर्च घटेगा। ऐसे में वे चाय, नाश्ते और थाली सस्ते कर सकते हैं। शादियों की कैटरिंग भी सस्ती हो सकती है।2. नायरा का पेट्रोल रु5 और डीजल रु3 रुपए सस्ताः-प्राइवेट फ्यूल रिटेलर कंपनी नायरा एनर्जी ने पेट्रोल 5 रुपए प्रति लीटर और डीजल 3 रुपए प्रति लीटर सस्ता कर दिया है। अब भोपाल में पेट्रोल की कीमत 119.79 रुपए और डीजल 99.57 रुपए पर आ गया है। नायरा के देशभर में 7000 हजार से ज्यादा पेट्रोल पंप हैं। असरः इससे आम आदमी को महंगाई से राहत मिलेगी। डीजल के दाम घटने से सामान को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने का खर्च (ट्रांसपोर्टेशन कॉस्ट) कम हो जाता है। इससे आने वाले दिनों में फल, सब्जियां, राशन और दूसरी जरूरी चीजें सस्ती हो सकती हैं। 3. डीजल की बिक्री पर लिमिट 1 जुलाई से हटीः-बदलावः अब पेट्रोल पंपों पर एक गाड़ी में एक दिन में सिर्फ

200 लीटर डीजल भरने की सीमा खत्म हो गई है, यानी अब आप अपनी गाड़ी में जितना चाहें उतना डीजल भरवा सकेंगे। इसके साथ ही फैक्ट्रियों और कॉमर्शियल खरीदारों पर लगी रोक भी हटा दी गई है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने 11 जून को पेट्रोल-डीजल की किल्लत की वजह से ये पाबंदियां लगाई थीं, जिन्हें सप्लाई सुधरने के बाद 29 जून के नए आदेश के जरिए वापस ले लिया गया है। पिछले 18 दिन से बड़े उपभोक्ता सिर्फ बल्क सेल पॉइंट्स से ही ईंधन खरीद रहे थे। असरः इस फैसले से आम वाहन चालकों, ट्रांसपोर्टर्स और बड़े कॉमर्शियल खरीदार अपनी जरूरत के अनुसार जितना चाहें उतना डीजल सीधे पेट्रोल पंपों से भरवा सकेंगे। इसके अलावा, पिछले 18 दिनों से फैक्ट्रियों और बड़े उपभोक्ताओं को होने वाली ईंधन की परेशानी भी खत्म हो जाएगी। 4. पासपोर्ट बनवाना महंगा हुआः;-बदलावः केंद्र सरकार ने पासपोर्ट की फीस में बढ़ोतरी की है, जो 1 जुलाई से लागू हो गई है। इससे पहले 2012 में पासपोर्ट की फीस बढ़ाई गई थी। यानी 14 साल बाद ये बढ़ोतरी हुई है। असरः अब नया पासपोर्ट बनवाने या पुराने पासपोर्ट को री-इश्यू कराने वाले नागरिकों की जेब पर सीधा असर पड़ेगा और उन्हें रु1,000 से लेकर रु2,000 तक अधिक खर्च करने होंगे। 5. ट्रेन में बिना टिकट यात्रा पर देना पड़ेगा दोगुना जुर्मानाः-बदलावः रेल मंत्रालय ने ट्रेन में बिना टिकट यात्रा करने पर लगने वाले न्यूनतम जुर्माने को रु250 से बढ़ाकर रु500 कर दिया है। अब पकड़े जाने पर यात्री को टिकट के वास्तविक किराए के साथ कम से कम रु500 का चार्ज देना होगा। इसके अलावा, मामला मजिस्ट्रेट कोर्ट में जाने और दोषी पाए जाने पर अधिकतम 6 महीने की जेल, रु1,000 का जुर्माना या दोनों सजाएं हो सकती हैं। असरः बिना टिकट सफर करने वाले यात्रियों की जेब पर अब दोगुनी मार पड़ेगी। उदाहरण के लिए, यदि चेकिंग पॉइंट तक का वास्तविक किराया रु150 हैः-पहले (पुराने नियम से): किराया रु150 प्लस जुर्माना रु250, कुल रु400 देने होते थे। अब (नए नियम से): किराया रु150 प्लस जुर्माना रु500, कुल रु650 देने होंगे। 6. आधार कार्ड में फ्री अपडेटः-बदलावः यूआईडीएआई ने 1 जुलाई से आधार कार्ड पर ईमेल एड्रेस को अपडेट कराने के लिए लगने वाली रु75 की फीस को हटा दिया है। यह सर्विस अगले छह महीने यानी 31 दिसंबर, 2026 तक मुफ्त रहेगी। इस समयसीमा के खत्म होने के बाद ही दोबारा चार्ज लिया जाएगा। असरः इस फैसले से उन करोड़ों नागरिकों को सीधी राहत मिलेगी जो अपने आधार में ईमेल आईडी लिंक या अपडेट कराना चाहते हैं। अब वे बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के ऑनलाइन या निर्धारित केंद्रों के माध्यम से अपना ईमेल एड्रेस मुफ्त में अपडेट करा सकेंगे। 7. कार खरीदना आज से महंगाः-बदलावः ज्यादातर ऑटोमोबाइल कंपनियों ने 1 जुलाई से अपने वाहनों की कीमतों में बढ़ोतरी करने का फैसला किया है। इसके तहत किया इंडिया ने अपने सभी वाहनों की रेंज में 2फीसदी तक की बढ़ोतरी की है, जबकि टाटा मोटर्स कीमतों में 1.5फीसदी तक की बढ़ोतरी करने जा रही है। असरः 1 जुलाई से नई कार खरीदने वाले ग्राहकों की जेब पर बोझ बढ़ेगा और उन्हें पहले के मुकाबले ज्यादा कीमत चुकानी होगी। टाटा मोटर्स के वाहनों को पसंद करने वाले ग्राहकों के लिए अब ट्रेडिशनल फ्यूल गाड़ियों के साथ-साथ इलेक्ट्रिक कारें खरीदना भी महंगा हो जाएगा।

होर्मुज हमारी सबसे बड़ी ताकत, पीछे नहीं हटेंगे-ईरान

तेहरान। पिछले 24 घंटे के 4 बड़े अपडेट्स-1. होर्मुज में फिर बढ़ी जहाजों की आवाजाहीः समुद्री निगरानी करने वाली कंपनी केप्लर के आंकड़ों के अनुसार, सोमवार को होर्मुज से कुल 40 जहाज गुजरे। इनमें से 16 जहाजों ने ईरान के समुद्री मार्ग का इस्तेमाल किया। 2. ईरान की शर्त- पहले फंसे 6 अरब डॉलर दोः ईरान चाहता है कि विदेशों में फंसी उसकी करीब 6 अरब डॉलर (करीब 57 हजार करोड़ रुपए) की संपत्ति पहले जारी की जाए। इसके बाद ही वह शांति समझौते के अगले चरण पर आगे बढ़ेगा। 3. पजशकियान बोले- समझौता सुप्रीम लीडर की मंजूरी से हुआः ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने कहा कि अमेरिका के साथ हुए समझौता ज्ञापन (एमओयू) ईरान के सुप्रीम लीडर की मंजूरी से हुआ है। 4. खामेनेई के अंतिम संस्कार के लिए सबसे बड़ा सुरक्षा इंतजामः ईरान अपने सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के अंतिम संस्कार के लिए अब तक की सबसे कड़ी सुरक्षा व्यवस्था कर रहा है।ईरान ने कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट उसकी सबसे बड़ी ताकत है और इस पर उसका अधिकार बना रहेगा। ईरानी संसद स्पीकर मोहम्मद बाकर गालीबाफ ने कहा कि अमेरिका के साथ हुए समझौता ज्ञापन में समुद्री सेवाओं के टोल में 60 दिनों की छूट सिर्फ अस्थायी व्यवस्था है।

उड़ान के दौरान 3 साल का बच्चा बेहोश हुआ तो इंडिगो की अहमदाबाद-मुंबई फ्लाइट की सूरत में इमरजेंसी लैंडिंग

सूरत। अहमदाबाद से मुंबई जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6-

7018 में सोमवार शाम 3 साल का बच्चा बेहोश हो गया। उसकी हालत बिगड़ने पर पायलट ने मेडिकल इमरजेंसी घोषित की। फ्लाइट की सूरत एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। बच्चे को सूरत के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।बच्चे की पहचान सौरभ के रूप में हुई है। फ्लाइट में मौजूद दो डॉक्टरों ने उसे प्राथमिक इलाज देने की कोशिश की, लेकिन हालत में सुधार नहीं हुआ। इसके बाद पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीएस) से संपर्क कर सूरत एयरपोर्ट पर उतरने की अनुमति मांगी। मेडिकल इमरजेंसी की सूचना मिलते ही सूरत एयरपोर्ट को अलर्ट कर दिया गया। सीआईएसएफ, एयरपोर्ट की मेडिकल टीम और इंडिगो की ग्राउंड टीम ने पहले से तैयारी कर ली। विमान के उतरते ही डॉक्टर अंदर पहुंचे। बच्चे को प्राथमिक इलाज देने के बाद एम्बुलेंस से प्राइवेट हॉस्पिटल भेज दिया गया। बच्चे को अस्पताल पहुंचाने के बाद एयरपोर्ट प्रशासन और इंडिगो ने जरूरी औपचारिकताएं पूरी कीं। इसके बाद फ्लाइट मुंबई के लिए रवाना हो गई। एयरपोर्ट प्रशासन के मुताबिक, इस इमरजेंसी लैंडिंग का दूसरी उड़ानों के संचालन पर कोई असर नहीं पड़ा।

अब यूजरनेम से भी होगी व्हाट्सअप पर चैट, मोबाइल नंबर शो करने की नहीं होगी जरुरत, 29 जून से बुकिंग शुरू हो गई

नयी दिल्ली। अब तक वॉट्सएप पर किसी नए व्यक्ति से बात करने के लिए अपना मोबाइल नंबर देना जरूरी होता था। लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। मेटा के स्वामित्व वाले वॉट्सएप ने यूजरनेम फीचर लॉन्च करने का ऐलान किया है। इसके बाद लोग अपना मोबाइल नंबर बताए बिना भी सिर्फ यूजरनेम के जरिए चैट कर सकेंगे। कंपनी ने 29 जून से दुनियाभर में यूजरनेम की बुकिंग शुरू कर दी है। हालांकि यह सुविधा सभी यूजर्स को एक साथ नहीं मिलेगी। आने वाले कुछ महीनों में इसे धीरे-धीरे सभी देशों में रोल आउट किया जाएगा। जब यह फीचर यूजर के इलाके में उपलब्ध होगा, तब उसके वॉट्सएप के अंदर नोटिफिकेशन मिलेगा।सबसे पहले जानें, जल्दी यूजरनेम रिजर्व करना क्यों जरूरी हैः- दुनियाभर में करोड़ों यूजर्स एक जैसे या मिलते-जुलते यूजरनेम चुन सकते हैं। ऐसे में जो लोग पहले अपना यूजरनेम रिजर्व करेंगे, उन्हें अपनी पसंद का यूजरनेम मिलने की संभावना ज्यादा होगी। व्हाट्सअप के हेड कुणाल शाह ने एक्स पर लिखा-'सही समय ही सब कुछ है। दुनिया भर में यह फीचर जारी होने से पहले ही व्हाट्सअप से जुड़ें और अपना यूजरनेम सुरक्षित कर लें। अब अपनी पसंद का यूजरनेम लेने का समय है। लोगों से जुड़ने का एक अधिक निजी (प्राइवेट) तरीका जल्द ही आपके व्हाट्सअप पर आने वाला है। वॉट्सएप यूजरनेम फीचर से जुड़े 8 सवाल-जवाब, जो आपको

जानना जरूरी हैः- वॉट्सएप यूजरनेम फीचर क्यों ला रहा है? वॉट्सएप का कहना है कि कई बार लोग किसी नए व्यक्ति से बातचीत करना चाहते हैं, लेकिन अपना मोबाइल नंबर शेयर नहीं करना चाहते। जैसे किसी नेटवर्किंग इवेंट में मिले व्यक्ति, नए क्लासमेट, पड़ोसी या बच्चों के स्कूल/स्पोर्ट्स ग्रुप के दूसरे पैरेंट्स से बात करते समय प्राइवेसी बनाए रखना जरूरी होता है। ऐसे में अब मोबाइल नंबर की जगह सिर्फ यूजरनेम शेयर किया जा सकेगा। यूजरनेम बनाने के नियम क्या हैं? यूजरनेम 3 से 35 कैरेक्टर का होगा। इसमें केवल ए-ज़ेड (छोटे अंग्रेजी अक्षर), 0-9 (अंक), डॉट (.) और अंडरस्कोर (_) का इस्तेमाल किया जा सकेगा। हर यूजरनेम पूरी तरह यूनिक होगा। जरूरत पड़ने पर इसे बदला, हटाया या अपडेट किया जा सकेगा। क्या मोबाइल नंबर पूरी तरह छिप जाएगा?हां, लेकिन केवल उन लोगों के लिए जो पहली बार आपसे संपर्क करेंगे। अगर आपने यूजरनेम सेट किया है, तो नया व्यक्ति आपका मोबाइल नंबर नहीं देख पाएगा।हालांकि वॉट्सएप अकाउंट बनाने और इस्तेमाल करने के लिए मोबाइल नंबर पहले की तरह जरूरी रहेगा। जिन लोगों के पास पहले से आपका नंबर सेव है, वे पहले की तरह ही आपसे चैट कर सकेंगे। क्या कोई भी यूजरनेम सर्च करके मुझे ढूंढ सकेगा?नहीं। वॉट्सएप कोई सार्वजनिक यूजरनेम डायरेक्टरी नहीं बनाएगा। कंपनी किसी दूसरे यूजर को आपका यूजरनेम सुझाव भी नहीं देगी। कोई व्यक्ति तभी आपको मैसेज भेज सकेगा, जब उसे आपका सही यूजरनेम पता होगा। 'यूजरनेम की' क्या है? वॉट्सएप 'यूजरनेम की' नाम का एक नया वैकल्पिक सुरक्षा फीचर भी ला रहा है। अगर यूजर इसे चालू करता है, तो पहली बार मैसेज भेजने वाले व्यक्ति को पहले यह 'की' दर्ज करनी होगी। इसके बाद ही चैट शुरू हो सकेगी। यूजर जब चाहें इस 'की' को बदल भी सकेंगे। इसका उद्देश्य स्पैम और अनचाहे मैसेज कम करना है। इंस्टाग्राम और फेसबुक यूजरनेम का क्या होगा? क्रिएटर्स, बिजनेस और संस्थाएं जहां संभव होगा, अपने इंस्टाग्राम और फेसबुक जैसा ही यूजरनेम वॉट्सएप पर भी ले सकेंगी। मशहूर हस्तियों और बड़े ब्रांड्स के कुछ यूजरनेम पहले से सुरक्षित रखे जाएंगे, ताकि कोई फर्जी अकाउंट बनाकर उनकी पहचान का गलत इस्तेमाल न कर सके।पुराने चैट्स और कॉन्टैक्ट्स पर क्या असर पड़ेगा? मौजूदा चैट, कॉन्टैक्ट और ग्रुप पहले की तरह ही काम करेंगे।

पीएम मोदी-ताकाइची बैठक में हो सकता है ऐलान

भारत-जापान में डॉलर के बिना व्यापार की तैयारी, रुपए-येन में लेनदेन होगा

नयी दिल्ली। भारत और जापान व्यापार में अमेरिकी डॉलर की भूमिका कम करने की तैयारी कर रहे हैं। निक्की एशिया की रिपोर्ट के मुताबिक दोनों देश ऐसी व्यवस्था बनाने पर काम कर रहे हैं, जिससे कारोबार का भुगतान सीधे भारतीय रुपए और जापानी येन में हो सके। इस प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची की नई दिल्ली में होने वाली बैठक के बाद ऐलान किया जा सकता है। साने ताकाइची आज 3 दिन के भारत दौरे पर आ रही हैं। प्रधानमंत्री बनने के बाद यह उनका पहला भारत दौरा होगा। दोनों नेताओं के बीच होने वाले 16वें भारत-जापान सलाना शिखर सम्मेलन में व्यापार, निवेश, रक्षा, सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऑटोमोबाइल, सप्लाई चेन और हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा जैसे कई अहम मुद्दों पर चर्चा होगी।डॉलर पर निर्भरता घटेगी, स्पेशल अकाउंट के जरिए सीधे पेमेंट;- अगर भारत और जापान के बीच भुगतान से जुड़ा ये प्रस्ताव

लागू होता है तो दोनों देशों के बीच पहली बार स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को लेकर औपचारिक व्यवस्था बनेगी। इस योजना के तहत जापानी कंपनियां भारत के बैंकों में विशेष खाते खोलकर सीधे रुपए और येन में लेनदेन कर सकेंगी। यानी लेनदेन के लिए अमेरिकी डॉलर या किसी तीसरे देश के बैंक की जरूरत नहीं पड़ेगी। इस व्यवस्था से विदेशी मुद्रा बदलने का खर्च कम होगा, पैसे भेजने की लागत घटेगी और भुगतान पहले के मुकाबले जल्दी हो सकेगा। दोनों देशों को उम्मीद है कि इससे व्यापार करना आसान होगा और कंपनियों का समय और पैसा दोनों बचेंगे। 2025 में बनी थी सहमति, अब लागू करने की तैयारीः-स्थानीय मुद्राओं के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए जापान का वित्त मंत्रालय वित्त वर्ष 2026 के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक के साथ एक सहयोग समझौता करने की तैयारी में है। यह प्रस्ताव पूरी तरह नया नहीं है। अगस्त 2025 में प्रधानमंत्री मोदी की जापान यात्रा के दौरान दोनों देशों ने अगले 10 वर्षों के लिए साझा विजन दस्तावेज जारी किया था। उसमें भी पेमेंट सिस्टम और स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने की बात कही गई थी। अब उसी योजना को आगे बढ़ाया जा रहा है। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने टीईटी लागू होने से पूर्व नियुक्त शिक्षकों की सेवा सुरक्षा हेतु सांसद को सौंपा ज्ञापन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) गौरीगंज/अमेठी। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, उत्तर प्रदेश जिला इकाई अमेठी द्वारा आज अमेठी लोकसभा क्षेत्र के सांसद किशोरी लाल शर्मा को गौरीगंज

में सोमवार को एक ज्ञापन सौंपकर टीईटी लागू होने से पूर्व नियुक्त शिक्षकों के लिए टीईटी अनिवार्यता समाप्त किए जाने और उनकी सेवा सुरक्षा सुनिश्चित किए जाने की मांग की गई। प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रीय स्तर पर 2010 और उत्तर प्रदेश में 27 जुलाई 2011 के पहले से नियुक्त एवं सेवारत शिक्षकों की इस गंभीर समस्या से सांसद को विस्तारपूर्वक अवगत कराया और संसद के आगामी मानसून सत्र में इस मुद्दे को सदन में उठाने का अनुरोध किया। महासंघ ने अपने ज्ञापन में स्पष्ट किया है कि इन शिक्षकों ने वर्षों तक शिक्षा एवं राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। नियुक्ति के वर्षों बाद नई पात्रता संबंधी शर्तों को पूर्व नियुक्त शिक्षकों पर लागू करना न्याय, समानता और विधिक निश्चितता के सिद्धांतों के अनुरूप नहीं है। इससे हजारों शिक्षकों एवं उनके परिवारों के समक्ष गंभीर असमंजस की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, अमेठी के जिला संयोजक विवेक शुक्ला ने कहा,'टीईटी लागू होने से पूर्व नियुक्त शिक्षकों की नियुक्तियां उस समय लागू नियमों एवं वैधानिक प्रक्रिया के अनुरूप हुई थीं। वर्षों की सेवा के बाद उनकी सेवा सुरक्षा पर किसी प्रकार का संकट उत्पन्न होना न्यायसंगत नहीं है। महासंघ शिक्षकों के हितों की रक्षा के लिए लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक माध्यमों से निरंतर प्रयास करता रहेगा।'प्रदेश के लाखों शिक्षक सरकार और जनप्रतिनिधियों से संवेदनशील एवं न्यायपूर्ण निर्णय की अपेक्षा रखते हैं। हमें विश्वास है कि टीईटी लागू होने से पूर्व नियुक्त शिक्षकों के सेवा अधिकारों की रक्षा हेतु शीघ्र सकारात्मक पहल की जाएगी, जिससे शिक्षकों में व्याप्त असमंजस समाप्त हो सके।'इस विषय को आगामी मानसून सत्र में प्रमुखता से उठाते हुए टीईटी लागू होने से पूर्व नियुक्त शिक्षकों के सेवा अधिकार, वरिष्ठता, पेंशन तथा अन्य वैधानिक लाभों की सुरक्षा हेतु आवश्यक विधायी, नीतिगत अथवा प्रशासनिक समाधान सुनिश्चित कराने का प्रयास करें।महासंघ ने आशा व्यक्त की है कि सरकार एवं जनप्रतिनिधि इस विषय पर गंभीरता से विचार कर शिक्षकों के हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाएंगे। इस अवसर पर पर अश्वनी द्विवेदी, पंकज शुक्ला, अमित पांडे, सचिन श्रीवास्तव, अनुपम सिंह, सुरेश, रामाशंकर यादव, रविकांत त्रिपाठी, पंकज पांडे, संजय शुक्ला, राजेश सिंह, उमानाथ नन्हे , महेश , अम्बुज, वशिष्ठ, अभिषेक, प्रमोद अंकित के साथ-साथ अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

कमिश्नरेट प्रयागराज अग्निशमन तथा आपात सेवा उ0 प्र0 चेकिंग अभियान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। मंगलवार

को श्रीमान मुख्य अग्निशमन अधिकारी कमिश्नरेट

प्रयागराज श्री चंद्र मोहन शर्मा जी के निर्देशानुसार जनपद प्रयागराज के कोचिंग ट्रेनिंग सेंटरो के चेकिंग अभियान के तहत प्रभारी अग्निशमन केंद्रों मय यूनिट द्वारा जनपद में कुल 13 कोचिंग/ट्रेनिंग संस्थानों का फायर ऑडिट किया गया तथा वहां पर मौजूद 220 कर्मचारियों/विद्यार्थियों को अग्निशमन उपकरणों को चलाने का प्रशिक्षण, आग से बचाव एवं धुएं में फंसे लोगों को बाहर निकलने का प्रशिक्षण प्रदान किया गया तथा जहाँ कहि भी कमी पायी गयी उन्हें शीघ्र ही पूर्ण कर कार्यालय को अवगत कराने हेतु बताया गया।

इंतजार खत्म-यूपी में मानसून की एंट्री,20 शहरों में आंधी-बारिश, दो दिन में पूरा प्रदेश कवर करेगा

लखनऊ/प्रयागराज। यूपी में मानसून का इंतजार आखिरकार

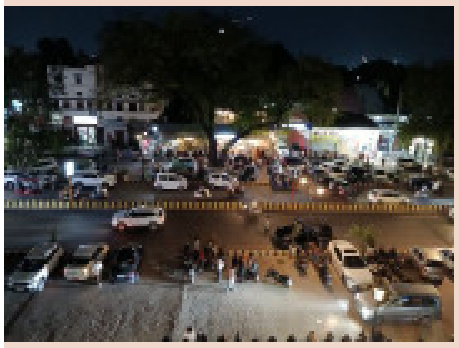

खत्म हो गया है। दक्षिण-पश्चिम मानसून ने सोनभद्र-महराजगंज के रास्ते मंगलवार को प्रदेश में एंट्री की। इसके असर से पूर्वी यूपी के 20 से ज्यादा शहरों में तेज हवा के साथ बारिश हो रही है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले 48 घंटे में मानसून पूरे प्रदेश को कवर कर लेगा। सुबह से ही लखनऊ, कानपुर नगर, अयोध्या, गोरखपुर, बरेली, देवरिया, सीतापुर, बहराइच, पीलीभीत, गोंडा, रायबरेली, ललितपुर, चित्रकूट, फर्रुखाबाद, जौनपुर, कानपुर देहात, उन्नाव, रामपुर और मुरादाबाद में रुक-रुककर बारिश हो रही है। देवरिया, जौनपुर में इतनी बारिश हुई कि खेतों में पानी भर गया। आज सभी 75 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट है। 38 जिलों में भारी बारिश हो सकती है। कहीं-कहीं बिजली भी गिर सकती है। पिछले 24 घंटे की बात करें तो आगरा सबसे गर्म रहा। तापमान 42.9डिग्री रिकॉर्ड किया गया। लखनऊ, समेत 15 शहरों में बारिश हुई। मौसम विभाग का कहना है कि मानसून 19 दिन से यूपी-बिहार बॉर्डर पर अटका था। इसने सोनभद्र, कुशीनगर, महराजगंज, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, श्रावस्ती और तराई इलाकों से प्रदेश में एंट्री की। मानसून आमतौर पर 20 जून तक यूपी आ जाता है, लेकिन इस बार यह करीब 10 दिन की देरी से आगे बढ़ रहा है। लखनऊ मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक मो. दानिश ने बताया-'दक्षिण-पश्चिम मानसून यूपी के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ गया है। आजमगढ़, अयोध्या और बरेली से होकर गुजर रहा है। अगले 2-3 दिनों में मानसून के यूपी में और आगे बढ़ने के लिए हालात अनुकूल हैं। अब पूर्वी और पश्चिमी यूपी में झमाझम बारिश का दौर देखने को मिलेगा। तापमान में 10 डिग्री तक की गिरावट आएगी।' भारी बारिश का अलर्टः सहारनपुर, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, शाहजहांपुर, पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, बाराबंकी, बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, गोंडा, अयोध्या, सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, कौशांबी, प्रयागराज, चित्रकूट, अंबेडकर नगर, बस्ती, सिद्धार्थनगर, महाराजगंज, संत कबीर नगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, आजमगढ़, मऊ, गाजीपुर, बलिया, जौनपुर, वाराणसी, संत रविदास नगर, चंदौली, मिर्जापुर, सोनभद्र।

ए. जी. ऑफिस के अट्ठाईस (28) कर्मचारी सेवानिवृत हुए,गेट पर दी गई विदाई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। कार्यालय

महालेखाकार के माह मई 2026 में अट्ठाईस (28) सेवानिवृत कर्मचारियों का विदाई समारोह गेट पर दिनांक 30.06.2026 दिन मंगलवार को संपन्न हुआ। सेवानिवृत कर्मचारी/अधिकारी सर्व श्री पंकज मालवीय सहायक पर्यवेक्षक, सतीश चन्द्र राय सहायक पर्यवेक्षक, दिनेश चंद्र चोपड़ा वरिष्ठ लेखाधिकारी, ज्ञानेश्वर नाथ त्रिपाठी वरिष्ठ लेखाधिकारी, श्रीमती रश्मि सहायक पर्यवेक्षक, ज्ञान सिंह सहायक पर्यवेक्षक, राजकुमार कुशवाहा वरिष्ठ लेखाकार, दीप चंद्र वरिष्ठ लेखाकार, अर्जुन सिंह पर्यवेक्षक, विष्णु स्वरूप तंतुवाय सहायक पर्यवेक्षक, संतोष कुमार भारतीय वरिष्ठ लेखाकार, कैलाश नाथ वरिष्ठ लेखाकार, विनय कुमार पर्यवेक्षक, सतीश चन्द्र तिवारी वरिष्ठ लेखाकार, मोहन कुमार सोनकर लेखाकार, राकेश बाबू डाटा एंट्री ऑपरेटर, ललित कुमार श्रीवास्तव सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी, दीपक कुमार श्रीवास्तव सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी, राम किशोर वर्मा सहायक परीक्षा अधिकारी, चंद्रभान वरिष्ठ लेखा परीक्षा अधिकारी, राजेश कुमार वरिष्ठ लेखा परीक्षा अधिकारी, ध्रुव कुमार अग्रवाल सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी, उदय राज सरोज पर्यवेक्षक, मोहम्मद दाऊद पर्यवेक्षक, हेमेन्द्र कुमार वरिष्ठ

लेखा परीक्षक, सत्येंद्र बनौधा लिपिक, श्रीमती सरस्वती देवी एम टी एस को फूल माला एवं अंग वस्त्रम प्रदान कर विदाई किया गया। विदाई कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय लोक सेवार्थ संगठन प्रयागराज के संयोजक श्री ओम प्रकाश गुप्ता द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष सहयोग प्रकाश अध्यक्ष कोऑपरेटिव सोसाइटी,अजय कृष्ण मिश्रा वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी,विजय कुमार श्रीवास्तव पूर्व उपाध्यक्ष सिविल ऑडिट एसोसिएशन,राजू मिश्रा पूर्व डायरेक्टर, अनिल दास पूर्व उपाध्यक्ष मनोज कुमार श्रीवास्तव अध्यक्ष,सगीर अहमद,बिनोद कुमार उपाध्याय पूर्व अध्यक्ष, पंकज मालवीय, रजनीकांत विद्यार्थी वरिष्ठ लेखाधिकारी,मनोज कुमार श्रीवास्तव पूर्व अध्यक्ष, प्रमोद मिश्रा महामंत्री,इंद्रेश कुमार,नीरज श्रीवास्तव पूर्व डायरेक्टर का रहा। श्री लक्ष्मी कांत त्रिपाठी,सतीश राय ,ज्ञान चंद्र, सुजीत चंद्रा, ललित श्रीवास्तव, देशराज सिंह,विनोद कुमार श्रीवास्तव,सुधीर कुमार शर्मा,राजेश श्रीवास्तव, प्रतिभा श्रीवास्तव,सुबोध चंद्र प्रजापति,राम मिलन, माता प्रसाद,प्रदीप गुप्ता, शादाब रजा,संजय बहल, कुलदीप कुमार,रमेश गुप्ता,आत्म प्रकाश सिंह, चन्द्र शेखर सिंह, कृपाशंकर सिंह, अनूप कुमार टंडन,श्याम सुंदर दुबे, ,अर्जुन पाठक, राधेश्याम मौर्या, विजय कुमार नैयर,बलवंत राय मदान,सोहन लाल,राजेश गोयल,सुनील कुमार,वीरेंद्र दयाल,विपिन यादव,रंजीत कुमार एवम अन्य साथियों का सहयोग रहा।विदाई कार्यक्रम में कार्यालय के कर्मचारियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

एफसीएम इंजेक्शन से बढ़ रहा हीमोग्लोबिन, सुरक्षित मातृत्व को मिल रही नई मजबूती,एनीमिया नियंत्रण में स्वास्थ्य विभाग की प्रभावी पहल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मंगलवार को गर्भावस्था के दौरान एनीमिया मां और गर्भस्थ शिशु, दोनों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती है। इसी को ध्यान में रखते हुए जनपद में स्वास्थ्य विभाग द्वारा 21 मार्च 2026 से फेरिक कार्बोक्सीमाल्टोज (एफसीएम) इंजेक्शन की सुविधा शुरू की गई है। पिछले तीन माह में जिले की 286 गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को एफसीएम इंजेक्शन लगाया गया है। इनमें से 96 महिलाओं की एक माह बाद पुनः हीमोग्लोबिन जांच की गई, जिसमें औसतन 1.5 से 2.5 ग्राम प्रति डेसीलीटर तक की वृद्धि दर्ज की गई। यह परिणाम दर्शाते हैं कि समय पर उपचार, नियमित मॉनिटरिंग और फॉलोअप से मातृ एनीमिया नियंत्रण को प्रभावी बनाया जा सकता है। रोशनी की कहानी बनी अन्य गर्भवतियों के लिए प्रेरणाः- सलोन ब्लॉक के ग्राम सरैया निवासी रोशनी इस अभियान से लाभान्वित होने वाली महिलाओं में शामिल हैं। ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस (वीएचएनडी) सत्र के दौरान हुई जांच में उनका हीमोग्लोबिन 8 ग्राम प्रति डेसीलीटर पाया गया। एएनएम अंजना मिश्रा की सलाह और आशा कार्यकर्ता मीरा देवी के सहयोग से उन्हें प्रथम संदर्भन इकाई (एफआरयू) सलोन में उपचार कराया गया। 5 मई 2026 को उन्हें एफसीएम इंजेक्शन लगाया गया। एक माह बाद हुई जांच में उनका हीमोग्लोबिन बढ़कर 11 ग्राम प्रति डेसीलीटर हो गया। अब वह स्वयं को पहले की अपेक्षा अधिक स्वस्थ, ऊर्जावान और सक्रिय महसूस करती हैं। रोशनी कहती हैं, ''मुझे इस उपचार से बहुत लाभ मिला है। अब पहले जैसी कमजोरी नहीं रहती। मैं सभी गर्भवती महिलाओं से अपील करती हूं कि वे नियमित प्रसवपूर्व जांच कराएं और हीमोग्लोबिन कम पाए जाने पर चिकित्सकीय परामर्श के अनुसार समय पर उपचार अवश्य लें। इससे मां और शिशु दोनों का स्वास्थ्य सुरक्षित रहता है।'' समय पर पहचान और उपचार से घट रहा जोखिमः- मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नवीन चंद्रा ने बताया कि एफसीएम इंजेक्शन के माध्यम से गंभीर एनीमिया से ग्रस्त गर्भवती एवं धात्री महिलाओं की समय पर पहचान, त्वरित उपचार तथा नियमित निगरानी सुनिश्चित की जा रही है। यह पहल केवल हीमोग्लोबिन सुधार तक सीमित नहीं है, बल्कि सुरक्षित मातृत्व, स्वस्थ नवजात और मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने बताया कि एफसीएम इंजेक्शन शरीर में आयरन की कमी को तेजी से पूरा करता है, जो लिवर, स्पलीन और बोन मैरो में संग्रहित होकर आवश्यकता अनुसार हीमोग्लोबिन निर्माण में उपयोग होता है। इसी कारण उपचार के कुछ ही सप्ताह में हीमोग्लोबिन स्तर में स्पष्ट सुधार दिखाई देने लगता है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने यह भी कहा कि गर्भावस्था के दौरान एनीमिया समयपूर्व प्रसव, कम वजन के शिशु का जन्म, अत्याधिक रक्तस्राव जैसी जटिलताओं का कारण बन सकता है। इसलिए सभी गर्भवती महिलाओं को नियमित प्रसवपूर्व जांच और चिकित्सकीय सलाह का पालन करना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने परिवार के सदस्यों, आशा कार्यकर्ताओं और समुदाय से अपील की कि वे प्रत्येक गर्भवती महिला को समय पर जांच और उपचार के लिए प्रेरित करें। समुदाय की सक्रिय भागीदारी से ही मातृ एनीमिया पर प्रभावी नियंत्रण और सुरक्षित मातृत्व का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। जिला महिला अस्पताल सहित पांच एफआरयू पर उपलब्ध सुविधाः-जिला स्वास्थ्य शिक्षा एवं सूचना अधिकारी डी.एस. अस्थाना ने बताया कि इस पहल के तहत चिकित्सकों, स्टाफ नर्स एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया गया है। एफसीएम इंजेक्शन के साथ आवश्यकतानुसार आईवी आयरन सुक्रोज, आयरन-फोलिक एसिड (आईएफए) अनुपूरण तथा कैल्शियम टैबलेट भी उपलब्ध कराई जा रही हैं।उन्होंने बताया कि वर्तमान में यह सुविधा जिला महिला अस्पताल सहित सलोन, ऊंचाहार, बछरावां, लालगंज और डलमऊ एफआरयू पर उपलब्ध है। अब तक जिला महिला अस्पताल में 43, सलोन में 70, ऊंचाहार में 24, बछरावां में 45, लालगंज में 51 तथा डलमऊ में 53 गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को एफसीएम इंजेक्शन लगाया जा चुका है।

मतदेय स्थलों के सम्भाजन को लेकर राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सोमवार को विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के मतदेय स्थलों के सम्भाजन के

संबंध में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद के सभी मतदेय स्थलों का भौतिक सत्यापन करते हुए उनका सम्भाजन किया जाएगा। इस प्रक्रिया के तहत 24 जून से 28 जून तक मतदेय स्थलों का भौतिक सत्यापन, पुनर्निधारण तथा नए मतदेय स्थलों के लिए भवनों का चिन्हांकन किया गया है। 29 जून से 01 जुलाई तक राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर प्रस्ताव तैयार किए जाएंगे। 4 जुलाई को मतदेय स्थलों की आलेख्य सूची प्रकाशित कर राजनैतिक दलों को उपलब्ध कराई जाएगी। प्राप्त आपत्तियों एवं सुझावों के निस्तारण के उपरान्त 18 जुलाई तक सूची को अंतिम रूप दिया जाएगा तथा 25, 27 व 28 जुलाई तक प्रस्ताव मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय को भेजे जाएंगे। इसके बाद आयोग की स्वीकृति की प्रक्रिया 31 जुलाई तक पूर्ण की जाएगी। जिलाधिकारी ने भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदेय स्थलों के सम्भाजन के संबंध में अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रवार मतदेय स्थलों को रनिंग सीरियल नम्बर दिये जायेंगे। मतदेय स्थलों की नई सूची में कोई भी आक्जिलरी (सहायक) मतदेय स्थल नहीं रखा जायेगा। उन्होंने कहा कि जिन मतदेय स्थलों पर मतदाताओं की संख्या मानक से कम है उनका तार्किक विश्लेषण करते हुए उक्त लोकेशन पर उपलब्ध अन्य मतदेय स्थलों में समायोजित कर लिया जाय। विशेष परिस्थितियों में 300 से कम मतदाता वाले मतदेय स्थलों को रखा जाना अपरिहार्य हो, तो प्रस्ताव (अनुलग्नक-1) में उस मतदेय स्थल को बनाये रखे जाने के सम्बन्ध में स्पष्ट कारण का उल्लेख कर दिया जाये। अत्यधिक पुराने व जर्जर भवन वाले मतदेय स्थलों को उसी मतदान क्षेत्र के अन्तर्गत उपलब्ध स्थायी भवन में स्थानांतरित कर दिया जाए। निर्धारित सीमा से अधिक मतदाताओं वाले ऐसे मतदेय स्थल, जहां उसी मतदान केन्द्र पर अन्य मतदेय स्थल भी हैं और उन मतदेय स्थलों में मतदाताओं की संख्या अपेक्षाकृत कम है, तो नये मतदेय स्थल का सृजन किये बिना भौगोलिक रूप से क्षेत्र की सुसम्बद्धता बनाये रखते हुए विद्यमान बूथों पर ही मतदाताओं को पुर्नसमायोजित किया जाना है। अस्थायी निर्माण वाले मतदेय स्थलों को उसी मतदान क्षेत्र के अन्तर्गत उपलब्ध स्थायी भवन में स्थानान्तरित कर दिया जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे मतदेय स्थलों को चिन्हित किया जाए, जो मुख्य गांव/बस्ती से पर्याप्त दूरी पर हैं, उन मतदेय स्थलों को वहाँ से हटाकर मतदान क्षेत्र के अन्तर्गत किसी सुविधाजनक भवन में स्थापित किया जाए। यह भी सुनिश्चित कर लिया जाए कि मतदेय स्थल की दूरी लगभग 02 कि0मी0 से अधिक न हो। कोई मतदेय स्थल यदि अपने मतदान क्षेत्र में उपयुक्त भवन न उपलब्ध होने के कारण मतदान क्षेत्र से बाहर स्थित है और अब मतदान क्षेत्र के अन्तर्गत उपयुक्त भवन उपलब्ध हो गया है तो ऐसे मतदेय स्थल को अपने मतदान क्षेत्र के अन्दर स्थित भवन में शिफ्ट कर दिया जाए। सभी मतदेय स्थल भवनों के यथासंभव भूतल पर होना सुनिश्चित किया जाए।

यदि कोई मतदेय स्थल निजी भवन में स्थापित है और वहां यदि शासकीय भवन उपलब्ध हो गये हैं तो उक्त मतदेय स्थलों को शासकीय भवनों में स्थानांतरित कर दिया जाय। यदि कोई मतदेय स्थल दुकान/व्यवसायिक प्रतिष्ठान/व्यक्तिगत सामुदायिक केन्द्र/विवाह घर अथवा ऐसे भवन, जिनका स्वामित्व किसी राजनैतिक व्यक्ति के पास है, ऐसे मतदेय स्थलों हेतु विकल्प तलाश कर उनको स्थानांतरित कर दिया जाये। मतदेय स्थलों के संबंध में राजनैतिक दलों से प्राप्त सभी शिकायतों तथा सुझावों की सम्यक् रूप से जांच की जाए तथा उन्हें उपयुक्त उत्तर देते हुए उनका निपटान किया जाये। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी (प्रशासन)/उप जिला निर्वाचन अधिकारी सिद्धार्थ, प्रभारी सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी फिरोज अहमद सहित सम्बन्धित अधिकारी व विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

नागरिक सुविधा दिवस का छः माह का रोस्टर जारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी

सरनीत कौर ब्रोका ने सोमवार को बताया है कि आयुक्त महोदय, लखनऊ मण्डल लखनऊ के कार्यालय आदेशानुसार लखनऊ मण्डल के जनपदों में नगर पालिका परिषद की सीमा क्षेत्रान्तर्गत रहने वाले आम नागरिकों की दैनिक जीवन से जुड़ी मूलभूत सुविधाओं जैसे स्ट्रीट लाइट, रोड/नाली निर्माण, जलापूर्ति, सीवरेज, ट्रैफिक, अतिक्रमण, नालियों में साफ-सफाई की समस्या, आवासित स्थलों में जलभराव, हाउस टैक्स, म्यूटेशन, जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र आदि विभिन्न समस्याओं के निराकरण हेतु प्रत्येक माह के अन्तिम मंगलवार को नागरिक सुविधा दिवस आयोजित करने के निर्देश हैं। जिलाधिकारी ने आयुक्त महोदय, लखनऊ मण्डल लखनऊ द्वारा दिये गये निर्देश के क्रम में नागरिक सुविधा दिवस के आयोजन के लिए वर्तमान कैलेंडर वर्ष 2026 के प्रत्येक माह के अन्तिम मंगलवार हेतु नगर पालिका परिषद रायबरेली का (जुलाई से दिसम्बर 2026 तक) छः माह का रोस्टर निर्धारित किया गया है।

निर्धारित रोस्टर के अनुसार 28 जुलाई को नगर पालिका परिषद रायबरेली में अपर जिलाधिकारी (वि0रा0) की अध्यक्षता में नागरिक सुविधा दिवस का आयोजन किया जायेंगा।

इसी प्रकार 25 अगस्त को अपर जिलाधिकारी (प्रशासन), 29 सितम्बर को अपर जिलाधिकारी (न्यायिक), 27 अक्टूबर को जिलाधिकारी, 24 नवम्बर को अपर जिलाधिकारी (वि0रा0) एवं 29 दिसम्बर 2026 को अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) की अध्यक्षता में नागरिक सुविधा दिवस का आयोजन किया जायेंगा।

एक बार फिर चमका GL Bajaj का परचमः AKTU मेरिट सूची के टॉप 10 में GL Bajaj के 4 विद्यार्थियों ने बनाई जगह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। ग्रेटर नोएडा जी एल बजाज Eucational Institutions ने एक बार फिर अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता का परिचय देते हुए डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी की मेरिट सूची के शीर्ष 10 में अपने इचार विद्यार्थियों का स्थान सुनिश्चित किया है। संस्थान के मेधावी विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए निम्न स्थान प्राप्त किए हैं–रिद्धि सिंह (बी.टेक. - कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग) - 5वीं रैंक, रितिका गुप्ता (एमसीए) - 7वीं रैंक, सौम्या वर्मा (एमसीए) - 9वीं रैंक, वैभव चौहान (एमबीए - बिजनेस एनालिटिक्स) - 10वीं रैंक, यह उल्लेखनीय उपलब्ध जी एल बजाज की उत्कृष्ट शिक्षा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। संस्थान निरंतर ऐसा शैक्षणिक वातावरण प्रदान करता रहा है, जहाँ विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा निखारने और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया जाता है। GL Bajaj के प्रबंधन, निदेशकगण, प्राचार्यों एवं संकाय सदस्यों ने सभी सफल विद्यार्थियों को हार्दिक

बधाई देते हुए उनके समर्पण, कठिन परिश्रम एवं अनुशासन की सराहना की। साथ ही विद्यार्थियों के अभिभावकों और शिक्षकों के मार्गदर्शन एवं सहयोग को भी इस सफलता का महत्वपूर्ण आधार बताया। संस्थान ने इस उपलब्धि पर GL Bajaj, Vice Chairman,Shri पंकज अग्रवाल ने गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि जी एल बजाज भविष्य में भी विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शिक्षा, नवाचार और नेतृत्व क्षमता के साथ आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करता रहेगा। यह सफलता GL Bajaj Educational Institutions की उस प्रतिष्ठा को और मजबूत करती है, जिसके अंतर्गत संस्थान लगातार विश्वविद्यालय के श्रेष्ठ विद्यार्थियों का निर्माण कर रहा है तथा शिक्षा के क्षेत्र में नए मानक स्थापित कर रहा है। जी एल बजाज परिवार सभी सफल विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ देता है तथा उनके आगामी जीवन में निरंतर सफलता की कामना करता है।

आईएमएस में 'नशा मुक्ति-जिंदगी युक्ति' अभियान की शुरुआत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। आईएमएस नोएडा के सामुदायिक रेडियो सलाम नमस्ते

ने सोमवार को जिला तम्बाकू निषेध प्रकोष्ठ , गौतमबुद्ध नगर एवं स्थानीय आर डब्ल्यू ए के सहयोग से नशा दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी के विरोधी में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम स्मार्ट संस्था के संयुक्त तत्वावधान में स्वास्थ्य जागरूकता श्रृंखला 'सेहत सही, लाभ कई' के अंतर्गत आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम के दौरान नशा मुक्ति, जिंदगी युक्ति अभियान की भी शुरुआत की गई। कार्यक्रम के दौरान में सलाम नमस्ते के सदस्यों, कॉलेज छात्रों एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर नशे से जुड़े मिथकों और भ्रांतियों को दूर करने, नशे की लत के शुरुआती संकेतों की पहचान करने तथा समय पर सहायता प्राप्त करने के तरीकों पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रतिभागियों को एनसीबी मानस हेल्पलाइन 1933, नशा मुक्त भारत हेल्पलाइन 14446 तथा आपातकालीन सहायता के लिए 112 नंबर की जानकारी भी दी गई। सलाम नमस्ते की स्टेशन हेड बर्षा छबारिया ने बताया कि नशा केवल व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है। इसलिए प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने में अपना योगदान दे। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत प्रतिभागियों ने सामुदायिक रेडियो पर लाइव शपथ लेते हुए स्वयं नशा न करने और अपने मित्रों, परिवारजनों तथा समाज के अन्य लोगों को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान सामुदायिक संवाददाताओं ने आम नागरिकों, अभिभावकों एवं दुकानदारों की प्रतिक्रियाएं रिकॉर्ड की, जिन्हें वॉक्स पॉप के रूप में प्रसारित किया जाएगा।

रामलीला मैदान से गूंजेगी गुर्जर समाज की आवाज, राष्ट्रीय प्रतिनिधित्व की उठेगी मांग

गुर्जर समाज ने मांगा कैबिनेट में हक, दिल्ली में होगा शक्ति प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। अखिल भारतीय गुर्जर महासभा की ओर से सोमवार को नोएडा के सेक्टर-61 में 'राष्ट्र की राजनीति और गुर्जर समाज का समावेश' विषय पर एक विचार गोष्ठी एवं पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में गुर्जर समाज की भागीदारी, प्रतिनिधित्व, सामाजिक सशक्तिकरण, शिक्षा और राष्ट्र निर्माण में समाज की भूमिका पर विस्तृत चर्चा की गई। पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार हरिश्चंद्र भाटी ने कहा कि गुर्जर समाज ने स्वतंत्रता संग्राम से लेकर देश के विकास और सुरक्षा तक हर क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है, लेकिन आज़ादी के दशकों बाद भी समाज को राष्ट्रीय राजनीति में उसके योगदान के अनुरूप प्रतिनिधित्व नहीं मिल सका है। उन्होंने कहा कि विभिन्न राजनीतिक दल समय-समय पर समाज का समर्थन तो लेते हैं, लेकिन सत्ता और संगठन में उचित भागीदारी देने से पीछे हट जाते हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार आगामी मंत्रिमंडल विस्तार में गुर्जर

समाज का कैबिनेट मंत्री पद सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि गुर्जर समाज अपने राजनीतिक अधिकारों और सम्मानजनक प्रतिनिधित्व के लिए संगठित होकर आवाज बुलंद करे। इसी उद्देश्य से 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती के अवसर पर दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में 'गुर्जर समाज स्वाभिमान रैली' का आयोजन किया जाएगा। इस रैली में देश के विभिन्न राज्यों के साथ-साथ विदेशों से भी गुर्जर समाज के लाखों लोगों के शामिल होने की संभावना है। हरिश्चंद्र भाटी ने कहा कि यह रैली किसी एक राजनीतिक दल के विरोध में नहीं, बल्कि उन सभी राजनीतिक दलों के लिए एक लोकतांत्रिक संदेश होगी जो वर्षों से गुर्जर समाज की राजनीतिक भागीदारी और नेतृत्व की उपेक्षा करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि समाज अब सम्मानजनक प्रतिनिधित्व की मांग को राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी ढंग से उठाएगा।

महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सविन्द्र भाटी ने कहा कि अब समाज केवल आश्वासनों से संतुष्ट नहीं होगा। जो भी राजनीतिक दल गुर्जर समाज को संगठन और चुनावी राजनीति में उचित प्रतिनिधित्व देगा, समाज उसी दल का समर्थन करेगा। उन्होंने कहा कि महासभा ने इस दिशा में व्यापक जनजागरण अभियान चलाने का निर्णय लिया है।गोष्ठी में सामाजिक समावेश, युवाओं के सशक्तिकरण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, संगठन की मजबूती तथा समाज के सर्वांगीण विकास जैसे विषयों पर भी विचार-विमर्श किया गया। महासभा ने कहा कि समावेशी लोकतंत्र तभी मजबूत होगा जब सभी वर्गों को समान अवसर और सम्मानजनक प्रतिनिधित्व प्राप्त होगा। कार्यक्रम में अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय सचिव अरुण भाटी,राष्ट्रीय सचिव धीरेंद्र वर्मा,उत्तर प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सुनील भाटी सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

समाजवादी पार्टी नोएडा व्यापार सभा ने धूमधाम से मनाई महान दानवीर भामाशाह जी की जयंती, व्यापारी कल्याण दिवस के रूप में हुआ आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। समाजवादी पार्टी नोएडा

महानगर व्यापार सभा द्वारा महान दानवीर भामाशाह जी की जयंती व्यापारी कल्याण दिवस के रूप में सपा नोएडा महानगर कार्यालय, ए-स्क्वायर मॉल, सेक्टर-73 में बड़े ही हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन नोएडा व्यापार सभा के अध्यक्ष श्री बाबूलाल बंसल के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष डॉ. आश्रय गुप्ता ने की, जबकि संचालन महानगर महासचिव विकास यादव द्वारा किया गया। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष डॉ. आश्रय गुप्ता ने कहा कि महान दानवीर भामाशाह जी केवल एक सफल व्यापारी ही नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति, समाजसेवा और त्याग के अद्भुत प्रतीक थे। उन्होंने अपना संपूर्ण धन राष्ट्र और समाज के हित में समर्पित कर यह संदेश दिया कि व्यापार केवल लाभ कमाने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण का भी सशक्त आधार है। समाजवादी पार्टी सदैव व्यापारी वर्ग के सम्मान, सुरक्षा और हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रही है।व सपा सरकार बनने पर भामाशाह जी की एक विशाल प्रतिमा नोएडा में लगाई जाएगी।

व्यापार सभा के अध्यक्ष श्री बाबूलाल बंसल ने कहा कि व्यापारी देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। व्यापारियों के हितों की रक्षा, उनके सम्मान और समस्याओं के समाधान के लिए समाजवादी पार्टी निरंतर संघर्ष करती रहेगी। भामाशाह जी का जीवन आज भी व्यापारियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। नोएडा महानगर उपाध्यक्ष मनोज गोयल एवं मीडिया प्रभारी गौरव कुमार यादव ने संयुक्त रूप से कहा कि समाजवादी पार्टी व्यापारी वर्ग के साथ सदैव मजबूती से खड़ी रही है।व्यापारी समाज के सहयोग और समर्पण से ही प्रदेश एवं देश का आर्थिक विकास संभव है। भामाशाह जी के आदर्श आज भी समाज को सेवा, समर्पण और राष्ट्रहित के लिए प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम के अंत में मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड नोएडा महानगर के नवनियुक्त अध्यक्ष श्री विवेक यादव का सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा फूल-माला पहनाकर सम्मान किया गया तथा उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी गईं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित रहेः-डॉ. आश्रय गुप्ता, विकास यादव, राकेश यादव, विनोद यादव, मनोज गोयल, बाबूलाल बंसल, गौरव कुमार यादव, रामवीर यादव, महकार तंवर, विवेक यादव, वीरपाल प्रधान, बब्बू यादव, गौरव यादव, शिव कुमार यादव, अंकुर पहलवान, लोकेश यादव, राणा मुखर्जी, देवपाल यादव, सुरेंद्र, कृपा शंकर यादव, सुमित यादव, जाहिद सैफी, प्रवीण शर्मा, पिंटू कुमार,गौरव राणा,आरिफ ,जितेंद्र सिंह,सुजीत कुमार,सहित बड़ी संख्या में समाजवादी कार्यकर्ता एवं व्यापारीगण उपस्थित रहे।

बाल गृह (बालिका) का सोनभद्र में निरीक्षण किया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। माननीय उच्च

न्यायालय, इलाहाबाद के पत्रांकः 1347/व्व्ण/2026, लखनऊ दिनांकितः 30.06.2026 के निर्देशानुसार एवं श्री राम सुलीन सिंह माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जनपद सोनभद्र के आदेशानुसार आज दिनांकः 30.06.2026 को समिति के सदस्यगण श्री ओमकार शुक्ला, अपर जनपद न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो) एवं श्री राहुल, सिविल जज, सी0डि0/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जनपद सोनभद्र द्वारा पूर्वासी ग्रामीण उत्थान विकास सेवा समिति द्वारा संचालित बाल गृह (बालिका), इन्द्रपुरी कालोनी राबर्ट्सगंज, सोनभद्र का निरीक्षण किया गया। बाल गृह (बालिका) की अधीक्षिका श्रीमती नीलम सिंह एवं अन्य स्टाफ उपस्थित रहें। निरीक्षण के समय बाल गृह (बालिका) में कुल 51 बालिकायें आवासित थी। जिसमें से क्रमशः सोनभद्र की 28, मीरजापुर की 19, शाहजहांपुर की 01, भदोही की बालिकायें 03 एवं 02 नवजात शिशु है। निरीक्षण के समय बाल गृह (बालिका) में साफ-सफाई पायी गयी तथा बाल गृह (बालिका) में आवासित बालिकाओं को मीनू के अनुसार नाश्ता एवं भोजन आदि दिया जा रहा है तथा बालिकाओं को नैतिक व्यापार निवारण अधि0 1956, घरेलू हिसां से महिला

संरक्षण अधि0 2005, दहेज प्रतिषेध अधि0 1961, गर्भ का चिकित्सीय समापन अधि0 1971, मातृत्व लाभ अधि0 1961- 26 सप्ताह तक, कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधि0 2013, लैगिंक अपराधो से बालको का संरक्षण अधि0 2012, गर्भधारक पूर्ण एवं प्रसव पूर्ण निदान तकनीकी (लिंग चयन प्रतिषेध) अधि0 1994, समान पारिश्रमिक अधि0 1976, महिलाओं का अशिष्ट चित्रण (निषेध) अधि0 1966, हिन्दू उत्राधिकार अधि0 1956' एवं 'Sex Selection Decline in child sex ratio under PCPNDT Act' की जानकारी दी गयी। साथ ही साथ छठवे चरण के 'मिशन शक्ति' विशेष अभियान के अन्तर्गत निम्नलिखित विषयों जैसे- दहेज प्रतिषेध कानूनए घरेलू हिंसा अधिनियम 2005, लैंगित अपराधों से संरक्षणए कार्यस्थल पर यौन शोषणए गर्भ का चिकित्सीय समापन अधिनियम 1971ए बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियमए गिरफ्तारी से पूर्वए गिरफ्तारी के समय तथा उसके बार महिलाओं के अधिकार संबंधी प्रावधान व कानूनए पूर्वगर्भाधान और प्रसवपूर्व निदान तकनीक अधिनियम 1994ए विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम 1987 की धारा 12 के अन्तर्गत महिलाओं के अधिकारए पीड़ित क्षतिपूर्ति योजना महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन हेतु अधीक्षिका को निर्देशित किया गया तथा इसके अधिकारों एवं लाभ के संबंध में जागरूक किया गया।

इसके अलावा उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के कार्ययोजना 2026-27 के निर्देशन में आज दिनांकः 30.06.2026 को काशी राम आवास के पास,राबर्ट्सगंज जिला-सोनभद्र में कचरा प्रबन्धन के संबंध में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन श्री राहुल, सिविल जज, सी0डि0/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जनपद सोनभद्र द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान श्री शमशेर बहादुर सिंह, चीफ एल.ए.डी.सी. एवं 50 आमजन उपस्थित हुए।सिविल जज, सी0डि0/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जनपद सोनभद्र द्वारा उपस्थित लोगो बताया गया कि स्वस्थ समाज ही स्वस्थ राष्ट्र की नींव है तथा गंदगी को दूर भगाओं स्वच्छता की आदत अपनाओं एवं कचरा प्रबन्धन के तहत गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग डिब्बे जैसे- हरे डिब्बे में रसोई का कचरा फलो, और सब्जियों के छिलके या सड़ा हुआ खाना,

नीले डिब्बे में प्लास्टिक की बोतले, पॉलिथीन, सूखा रद्दी कागज, लाल डिब्बे में इस्तेमाल की गई बैटरी, खराब ट्यूबलाइट/बल्ब, पीले डिब्बे में यूज्ड नैपकिन/डायपर, पट्टियां, एक्सपायरी दवाएं एवं काले डिब्बे में धूल-मिट्टी झाडू का कचरा इत्यादि के संबंध में उन्हे बताया गया तथा होने वाले लाभ व हानि के बारे में भी विस्तार से बताया गया। यह जानकारी श्री राहुल, सिविल जज, सी0डि0/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जनपद सोनभद द्वारा दी गयी।

जन चौपाल में पढ़ी जा रही आवास प्लस सर्वेक्षण-2024 की पात्रता सूची, ग्रामीणों को आपत्ति दर्ज कराने का अवसर

पारदर्शिता, जनसहभागिता और पात्र लाभार्थियों के चयन को सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत

आवास प्लस सर्वेक्षण-2024 की पात्रता सूची जनपद सोनभद्र की ग्राम पंचायतों में जन चौपाल के माध्यम से सार्वजनिक रूप से पढ़कर सुनाई जा रही है। जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ के निर्देश के क्रम में संचालित इस प्रक्रिया का उद्देश्य योजना के अंतर्गत पात्र एवं जरूरतमंद परिवारों का निष्पक्ष एवं पारदर्शी चयन सुनिश्चित करना है। जन चौपाल के दौरान ग्रामवासियों के समक्ष पात्रता सूची प्रस्तुत की जा रही है, जिससे प्रत्येक नागरिक सूची का अवलोकन कर सके तथा सूची में शामिल किसी भी नाम के संबंध में तथ्यात्मक आपत्ति होने पर उसे दर्ज करा सके। प्राप्त आपत्तियों का परीक्षण कर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जन चौपाल की कार्यवाही पूर्ण पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ संपन्न कराई जाए तथा ग्रामीणों को अपनी बात रखने का पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप योजना का लाभ केवल वास्तविक एवं पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने जनपदवासियों से अपील की है कि वे जन चौपाल में सक्रिय सहभागिता करें तथा यदि सूची में किसी प्रकार की त्रुटि अथवा आपत्ति हो तो उसे समयबद्ध रूप से दर्ज कराएं, ताकि पात्र परिवारों को योजना का लाभ सुनिश्चित किया जा सके। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत यह पहल पारदर्शी प्रशासन, जनभागीदारी एवं सामाजिक उत्तरदायित्व को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

लखनऊ में 3 से 5 जुलाई तक होगा आम महोत्सव का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिला उद्यान अधिकारी जयराम वर्मा ने जनपद

रायबरेली के समस्त आम उत्पादकों/एफ0पी0ओ0 को सूचित किया है कि आम महोत्सव 2026 का आयोजन 03 जुलाई से 05 जुलाई, 2026 तक इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान गोमती नगर लखनऊ में आयोजित किया जा रहा है। जिसका उद्घाटन मा0 मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश द्वारा 03 जुलाई 2026 को किया जाना निर्धारित है। आम महोत्सव में आम की विभिन्न प्रजातियों एवं आम के संरक्षित उत्पाद के प्रदर्शों का प्रदर्शन 02 जुलाई 2026 को पूर्वाह्न 10रू00 बजे तक किया जाएगा और उसी दिन अपराह्न 04रू00 बजे जजिंग का कार्य भी संपादित किया जायेगा। जनपद के इच्छुक कृषक/कृषक उत्पादक संगठन, जो भी आम की विभिन्न प्रजातियों एवं आम के संरक्षित उत्पाद के प्रदर्श लगाना चाहते हैं, वह 01 जुलाई 2026 तक प्रदर्श के विवरण सहित सूचना कार्यालय जिला उद्यान अधिकारी रायबरेली में जमा कर सकते हैं अथवा 02 जुलाई 2025 को पूर्वाह्न 10रू00 बजे तक आयोजन स्थल पर अपना प्रदर्श स्वयं भी लगा सकते हैं। यदि कृषक/निजी उद्यानपति आम की उन्नत गुणवत्तायुक्त पौध रोपण सामग्री एवं आम के फल महोत्सव में बिक्री करना चाहते है, तो वह पौध रोपण सामग्री प्रजाति के टैग के साथ पौधे व फलों का विक्रय कर सकते हैं। प्रदर्शनी के दौरान आम की विभिन्न प्रजातियों, आम उत्पादन में हो रहे नवाचारों, विपणन तकनीकों, प्रसंस्करण एवं मूल्य. संवर्धन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां कृषि एवं उद्यान विशेषज्ञों तथा वैज्ञानिकों द्वारा प्रदान की जायेगी।

1 से 15 जुलाई तक चलेगा 'मिशन सेफ फ्यूचर', बिना फिटनेस-परमिट वाले स्कूली वाहनों पर होगी सख्त कार्रवाई

पहले चेतावनी, फिर चालान व सीज, नियम तोड़ने वाले स्कूलों की मान्यता पर भी लटक सकती है तलवार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिले में स्कूली बच्चों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से परिवहन विभाग 1 से 15 जुलाई तक विशेष अभियान 'मिशन सेफ फ्यूचर' चलाएगा। अभियान के दौरान स्कूल बसों और बच्चों को लाने-ले जाने वाले निजी वाहनों की सघन जांच की जाएगी। बिना फिटनेस, बिना परमिट अथवा सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ चालान, सीज समेत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। परिवहन विभाग द्वारा सभी एआरटीओ को अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश जारी किए गए हैं। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (एआरटीओ) कौशल कुमार सिंह ने बताया कि इंटीग्रेटेड स्कूल व्हीकल मैनेजमेंट पोर्टल के अनुसार जिले में कुल 427 स्कूल वाहन पंजीकृत हैं। इनमें 23 वाहनों की फिटनेस तथा 41 वाहनों के परमिट की अवधि समाप्त हो चुकी है। अभियान का मुख्य उद्देश्य ऐसे सभी वाहनों को निर्धारित मानकों के अनुरूप लाना और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। अभियान के पहले चरण में 1 से 7 जुलाई तक स्कूल प्रबंधकों और प्रधानाचार्यों को नोटिस, फोन कॉल एवं व्यक्तिगत संपर्क के माध्यम से चेतावनी दी जाएगी। इस दौरान सभी स्कूल वाहनों की फिटनेस और परमिट तत्काल पूर्ण कराने के निर्देश दिए जाएंगे।

एआरटीओ कौशल कुमार सिंह

साथ ही परिवहन विभाग के अधिकारी विद्यालयों में पहुंचकर वाहनों का भौतिक निरीक्षण करेंगे। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला विद्यालय यान सुरक्षा समिति की बैठक भी आयोजित कर सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की जाएगी। इसके बाद 8 से 15 जुलाई तक परिवहन, पुलिस, यातायात और शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में जिलेभर में व्यापक जांच अभियान चलाया जाएगा। बिना फिटनेस, बिना परमिट या सुरक्षा मानकों की अनदेखी करते पाए गए स्कूल वाहनों तथा बच्चों को ढोने वाले निजी वाहनों के खिलाफ चालान और सीज की कार्रवाई की जाएगी।एआरटीओ ने स्पष्ट किया है कि बार-बार चेतावनी के बावजूद नियमों का पालन नहीं करने वाले स्कूलों की सूची जिलाधिकारी के माध्यम से शिक्षा विभाग को भेजी जाएगी, ताकि संबंधित विद्यालयों की मान्यता निरस्त करने की कार्रवाई भी की जा सके। एआरटीओ ने सभी स्कूल संचालकों से अपील की है कि अभियान शुरू होने से पहले अपने वाहनों की फिटनेस,परमिट एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज अद्यतन करा लें और सभी सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करें, ताकि स्कूली बच्चों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित हो सके।

1 जुलाई से 15 अगस्त तक चलेगा रोवर द्वारा पैमाइश अभियान,आधुनिक तकनीक से होगी सटीक पैमाइश

जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अभियान का लाभ उठाने की अपील

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उत्तर प्रदेश सरकार की ऐतिहासिक पहल के अंतर्गत धारा-24 के तहत 1 जुलाई 2026 से 15 अगस्त 2026 तक जनपद की सभी तहसीलों में रोवर (जीएनएसएस) तकनीक के माध्यम से भूमि पैमाइश अभियान संचालित किया जाएगा। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने बताया कि प्रत्येक तहसील में रोवर उपलब्ध रहेगा, जिससे भूमि की वास्तविक स्थिति का कम समय में सटीक निर्धारण किया जा सकेगा।

आधुनिक राजस्व अभिलेखों के अनुरूप होने वाली इस पैमाइश से सीमा विवाद, अनावश्यक मुकदमेबाजी एवं पैमाइश संबंधी त्रुटियों में कमी आएगी। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील की है कि जिनकी भूमि पैमाइश लंबित है, वे अभियान का अधिकतम लाभ उठाते हुए संबंधित तहसील से संपर्क कर रोवर के माध्यम से पैमाइश कराएं, जिससे सही रिकॉर्ड और सही अधिकार सुनिश्चित हो सके।

आदिवासी अनादर नहीं आस्था के विषय हैं-संदीप मिश्रा

'पेड़ों की कटान पर बवाल, मुख्यमंत्री को भेजा गया ज्ञापन; वन विभाग के अधिकारियों पर गंभीर आरोप, कंपनी स्थापना के खिलाफ ग्रामीणों ने खोला मोर्चा'

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिले में प्रस्तावित औद्योगिक परियोजनाओं और पर्यावरण संरक्षण को लेकर विरोध

तेज होता जा रहा है। किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा के संयोजक संदीप मिश्रा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम विस्तृत ज्ञापन भेजकर वन विभाग के अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि शासन के निर्देशों और वन संरक्षण नियमों की अनदेखी करते हुए बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटान के लिए एनोसी दी जा रही है, जिससे पर्यावरण और आदिवासी समुदाय के अधिकारों पर खतरा मंडरा रहा है। मोर्चा ने वर्ष 2024 के शासनादेश का हवाला देते हुए कहा कि पेड़ों की कटान के लिए तय नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है। आरोप है कि संरक्षित पेड़ों को भी काटा जा रहा है और संबंधित अधिकारी प्रभावी कार्रवाई करने के बजाय कथित रूप से लापरवाही बरत रहे हैं। संदीप मिश्रा का कहना है कि प्रस्तावित औद्योगिक परियोजनाओं के लिए वन क्षेत्र और हरित संपदा को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री से पूरे मामले की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कर दोषी अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने तथा अवैध कटान पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। इधर, ग्रामीणों ने भी कंपनी स्थापना के खिलाफ खुलकर मोर्चा खोल दिया है। कन्हैया चेरो ने कहा कि 'किसी भी कीमत पर कंपनी नहीं लगने दी जाएगी। जरूरत पड़ी तो जिला मुख्यालय से लेकर लखनऊ और दिल्ली तक बड़ा आंदोलन किया जाएगा। चाहे इसके लिए जान ही क्यों न चली जाए।' बिंदु अगरिया ने आरोप लगाया कि 'कंपनी आने से केवल प्रदूषण फैलेगा और गरीबों के जंगल, जमीन और प्राकृतिक अधिकार छिन जाएंगे। इसे किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किया जाएगा, चाहे जान की बाजी ही क्यों न लगानी पड़े।' राम बहाल ने कहा कि 'हमारे पूर्वजों से जुड़े जंगल और पेड़ हमारी पहचान हैं। जान चली जाएगी, लेकिन कंपनी नहीं लगने देंगे। जंगल हमारी विरासत है और इसकी रक्षा हर हाल में करेंगे।'रामसेवक ने कहा कि 'कोरोना काल में इस क्षेत्र की स्वच्छ हवा और वनस्पतियों ने लोगों को राहत दी थी। आने वाले समय में शहरों के लोग ऐसी हरियाली के लिए तरसेंगे। इसलिए यहां कंपनी स्थापित नहीं होने दी जाएगी।' किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार और प्रशासन ने समय रहते कार्रवाई नहीं की तो पर्यावरण संरक्षण, जंगल बचाने और आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा के लिए व्यापक जनआंदोलन शुरू किया जाएगा। संगठन का दावा है कि यह आंदोलन गांव से लेकर जिला मुख्यालय, लखनऊ और दिल्ली तक चलाया जाएगा। आज के कार्यक्रम में विन्दू खरवार गोपीनाथ चेरो मुखलाल चेरो गुलाब चेरो बासमती गोण दीपक गोण दिनेश माझि गुलाब बैगा राजेस पनिका व हजारों आदिवासी महिला पुरुष उपस्थित रहे।

सोनभद्र में दो माह बाद एक जुलाई से पुनः चलेगी नियमित कोर्ट

इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में एक मई से 30 जून तक चल रही थी प्रातःकालीन कोर्ट, जिले की भौगोलिक स्थिति के साथ ही अत्यधिक गर्मी पड़ने के मद्देनजर प्रति वर्ष मार्निंग कोर्ट का होता है संचालन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। इलाहाबाद हाईकोर्ट के जून माह में भयंकर गर्मी पड़ती है। सोनभद्र बार एसोसिएशन एवं डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के संयुक्त प्रस्ताव पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सोनभद्र में दो माह अर्थात एक मई से 30 जून तक के लिए मार्निंग कोर्ट संचालित करने का निर्देश दिया था। जिसकी वजह से प्रातः 6:30 बजे से दोपहर बाद 1:30 बजे तक

आदेश के अनुपालन में सोनभद्र की अदालतों में दो माह मार्निंग कोर्ट चल रही थी, लेकिन अब मार्निंग कोर्ट चल रही थी। यह आदेश जनपद न्यायालय सोनभद्र व अधीनस्थ न्यायालयों, वाह्य

पुनः नियमित कोर्ट चलेगी। एक जुलाई बुधवार से सुबह 10 बजे से कोर्ट का संचालन शुरू हो जाएगा। जिसकी वजह से न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं, कर्मचारियों एवं वादकारियों के नित्य क्रिया में एकबार फिर से परिवर्तन करना पड़ेगा जिससे शुरुआत में परेशानी होगी। बता दें कि सोनभद्र जिले की भौगोलिक स्थिति अन्य जिलों से भिन्न है। जिसके चलते दो महीने मई और न्यायालय अनपरा स्थित ओबरा, दुद्धी व ग्राम न्यायालय घोरावल पर लागू था।लेकिन अब एक जुलाई बुधवार से पुनः पहले की तरह सुबह 10 बजे से नियमित कोर्ट का संचालन होगा। इससे एकबार फिर से न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं, कर्मचारियों व वादकारियों को अपने दिनचर्या में बदलाव करना पड़ेगा, जिससे शुरुआत में कुछ दिनों तक परेशानी होगी, बाद में सुचारू रूप से चलने लगेगा।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

श्री महन्तू
अग्निशमन सुरक्षा अधिकारी नैनी, प्रयागराज
नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

मुंह में छाले, दर्द कहीं कैंसर तो नहीं, आख़िर कब खतरे का संकेत

नयी दिल्ली। मसूड़ों में सूजन, दर्द या मुंह में छाले होना कॉमन है। आमतौर पर ये लक्षण कुछ दिनों में अपने आप ठीक भी हो जाते हैं। ज्यादातर मामलों में ऐसा खराब ओरल हाइजीन, संक्रमण या चोट के कारण होता है। कुछ मामलों में स्ट्रेस या न्यूट्रिशन की कमी से भी ऐसा हो सकता है। अगर ये लक्षण ज्यादा दिनों तक बने रहें तो यह खतरनाक हो सकता है। दरअसल, ओरल कैंसर के शुरुआती लक्षण भी अक्सर सामान्य छाले या मसूड़ों में सूजन जैसे ही होते हैं। इसलिए इनके बीच का फर्क समझना जरूरी है। आज 'फिजिकल हेल्थ' में मसूड़ों में सामान्य सूजन और कैंसर के बीच फर्क समझेंगे। साथ ही जानेंगे कि- मसूड़ों के किन लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए? किन लोगों को ओरल कैंसर का रिस्क ज्यादा होता है? इससे बचने के लिए क्या करें? विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. शुभम गर्ग, डायरेक्टर, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, धर्मशिला नारायणा हॉस्पिटल, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मसूड़ों में सूजन और दर्द की समस्या कितनी कॉमन है? जवाब- मसूड़ों में सूजन यानी जिंजिवाइटिस दुनिया भर में सबसे कॉमन ओरल हेल्थ समस्याओं में से एक है। खराब ओरल हाइजीन, प्लाक जमा होने, सिगरेट पीने, डायबिटीज और कुछ अन्य कारणों से यह समस्या हो सकती है। यदि समय पर इसका इलाज न किया जाए, तो यह पेरियोडोंटाइटिस में बदल सकती है।

इस स्थिति में दांतों को सहारा देने वाले मसूड़े, हड्डी और अन्य टिश्यूज धीरे-धीरे डैमेज होने लगते हैं, जिससे दांत ढीले पड़ सकते हैं और गंभीर मामलों में गिर भी सकते हैं। सवाल- अमूमन किन कारणों से सूजन और दर्द हो सकता है? यह सामान्यतः कितने दिनों में ठीक हो जाता है? जवाब- मसूड़ों में सूजन और दर्द के प्रमुख कारण इस प्रकार हैं- प्लाक और टार्टर (दांतों पर सख्त लेयर) जमना। ठीक से ब्रश और फ्लॉस न करना। चोट या जलन।

मसूड़ों की बीमारी। दांत या मसूड़ों में संक्रमण। हॉर्मोनल बदलाव। दवाओं का साइड इफेक्ट। न्यूट्रिशनल डेफिशिएंसी।

डायबिटीज। स्मोकिंग। यह कितने दिनों में ठीक हो जाता है? अगर जलन, मामूली चोट या हल्की सूजन है तो हाइजीन मेंटेन करने पर 3-10 दिनों में सुधार हो सकता है। अगर यह प्लाक या जिंजिवाइटिस के कारण है तो हाइजीन का ख्याल रखने और सही देखभाल से 1-2 सप्ताह में सुधार हो सकता है। सवाल- 'कैंकर सोर' यानी मुंह में छाले होना कितना कॉमन है? छाले क्यों होते हैं? जवाब- कैंकर सोर एक कॉमन प्रॉब्लम है।

यह लगभग हर 5 में से 1 व्यक्ति को जीवन में कभी-न-कभी हो सकती है। इसके संभावित कारण ये हैं- मुंह के अंदर चोट, स्ट्रेस और कम नींद, डाइजेस्टिव इश्यूज, मसालेदार या साइट्रस फूड से सेंसिटिविटी, विटामिन 12, फोलेट या आयरन की कमी हॉर्मोनल बदलाव, दवाओं के साइड इफेक्ट्स, कुछ बीमारियां जैसे सिलिएक डिजीज।

सवाल- मुंह के छाले अमूमन कितने दिनों में ठीक हो जाते हैं? जवाब- सामान्य छाले ज्यादातर मामलों में 1-2 सप्ताह के भीतर अपने-आप ठीक हो जाते हैं। सवाल- मुंह में छाले, सूजन या मसूड़ों में दर्द कब ओरल कैंसर का शुरुआती संकेत हो सकते हैं? जवाब- ये ज्यादातर मामलों में ओरल कैंसर नहीं होते हैं।

लेकिन कुछ कंडीशंस में ये लक्षण ओरल कैंसर के शुरुआती संकेत भी हो सकते हैं और जांच कराना जरूरी है। इन संकेतों पर विशेष ध्यान देना जरूरीः-मुंह का छाला या घाव 2-3 सप्ताह से ज्यादा समय तक बना रहे। मुंह में लाल या सफेद धब्बे कई दिनों तक बने रहें। मसूड़े, जीभ, गाल के अंदर या मुंह के किसी हिस्से में लगातार सूजन या गांठ महसूस हो। बिना स्पष्ट कारण के लगातार दर्द, जलन या सुन्नपन हो। चबाने, निगलने या बोलने में परेशानी होने लगे। दांत ढीले होने लगें। गर्दन में गांठ महसूस हो। बिना कारण वजन कम होने लगे। सवाल- क्या कैंसर का घाव शुरू में सामान्य छाले जैसा ही दिखता है? जवाब- हां, कुछ मामलों में ओरल कैंसर का शुरुआती घाव सामान्य छाले जैसा ही होता है। इसे केवल देखकर फर्क समझना आसान नहीं होता। ओरल कैंसर के लक्षण शुरुआती स्टेज में बहुत सामान्य होते हैं।

कई बार लोगों को दर्द भी नहीं होता। इसलिए यह देर से डायग्नोज होता है।मुंह में कोई भी बदलाव 2-3 सप्ताह से अधिक समय तक बना रहे तो डॉक्टर से कंसल्ट करना चाहिए। ग्राफिक में देखिए, कब डॉक्टर के पास जाना जरूरी है- घाव 3 हफ्ते तक बना हुआ है। जीभ, मसूड़े या होंठ पर सूजन है। बिना कारण मुंह से खून आता है।

लाल-सफेद धब्बे बने रहते हैं। चबाने, निगलने में मुश्किल होती है। दांत ढीले हो रहे हैं। जबड़ा खोलने में दर्द होता है। मुंह, जीभ या होंठ सुन्नपन है। गले में कुछ अटका सा लगता है। गर्दन में गांठ महसूस होती है। कुछ कंडीशंस और आदतों के कारण ओरल कैंसर का रिस्क बढ़ सकता है। ग्राफिक में देखिए, किन्हें ज्यादा रिस्क है- जो सिगरेट, बीड़ी पीते हैं। जिनकी उम्र 40-50 से ज्यादा है। जो तंबाकू गुटखा खाते हैं। जिन्हें कोई एचपीवी इन्फेक्शन है। जो अक्सर शराब पीते हैं। जो ओरल हाइजीन नहीं रखते हैं। जिनका इम्यून सिस्टम कमजोर है। जिनके दांत आधे टूटे या नुकीले हैं। जिनकी फैमिली में कैंसर की हिस्ट्री है।सवाल- क्या तंबाकू या गुटखा न खाने वालों को भी ओरल कैंसर हो सकता है? जवाब- हां, उन्हें भी हो सकता है। हालांकि तंबाकू और गुटखा खाने वालों को इसका रिस्क ज्यादा होता है। सवाल- क्या नियमित डेंटल चेकअप से ओरल कैंसर का जल्दी पता लगाया जा सकता है? जवाब- हां, रेगुलर डेंटल चेकअप के दौरान डेंटिस्ट मुंह, जीभ, मसूड़ों की जांच करते हैं। इस दौरान गालों के अंदर असामान्य घाव, गांठ, लाल-सफेद धब्बे जैसे शुरुआती संकेत पहचाने जा सकते हैं। सवाल- कैंसर से बचाव के लिए ओरल हाइजीन कितना जरूरी है? ओरल हाइजीन के लिए क्या करें? जवाब- इसके लिए ब्रश करना और कुछ खाने-पीने के बाद कुल्ला करना जरूरी है। ओरल हाइजीन, के 11 टिप्सः-1 दिन में 2 बार ब्रश करें। 2 रोज फ्लॉस / इंटरडेंटल ब्रश करें। 3 फ्लोराइड वाला टूथपेस्ट यूज करें। 4 जीभ की नियमित सफाई करें। 5 खाने के बाद पानी से कुल्ला करें। 6 तंबाकू, गुटखा, पान मसाला न खाएं। 7 सिगरेट, बीड़ी और स्मोकिंग से बचें। 8 ज्यादा मीठी, शुगरी चीजें न खाएं। 9 शराब बिल्कुल न पिएं। 10 टूटे, नुकीले दांत हों तो ठीक करवाएं।

11 नियमित डेंटल चेकअप करवाएं।सवाल- हाइजीन के अलावा ओरल कैंसर से बचाव के लिए क्या सावधानियां बरतना जरूरी है? जवाब- इसके लिए ये सावधानियां बरतें- तंबाकू, गुटखा, खैनी, जर्दा और पान मसाला न खाएं। सिगरेट, बीड़ी, हुक्का या किसी भी तरह की स्मोकिंग न करें। शराब बिल्कुल न पिएं। फल और सब्जियों से भरपूर बैलेंस्ड डाइट लें। मुंह में किसी छाले, गांठ, लाल-सफेद धब्बे को नजरअंदाज न करें। मुंह का कोई घाव 2-3 हफ्ते में ठीक न हो तो डॉक्टर से जांच करवाएं।

टूटे, नुकीले दांत या खराब फिटिंग डेंचर का समय पर इलाज करवाएं। रिस्क होने पर मुंह का सेल्फ एग्जामिनेशन करते रहें। नियमित डेंटल चेकअप करवाएं।

कौन है अक्षरा जिसे फीमेल वैभव सूर्यवंशी कहा जा रहा,15 में ट्रिपल सेंचुरी

स्पोर्ट्स डेस्क। पिछले कुछ महीनों में भारतीय क्रिकेट में बिहार का नाम सबसे ज्यादा वैभव सूर्यवंशी की वजह से चर्चा में रहा। महज 15 साल की उम्र में IPL 2026 में सबसे ज्यादा 776 रन और टीम इंडिया के लिए चुने जाने वाले सबसे युवा क्रिकेटर भी बने। लेकिन अब बिहार से एक और टीनएजर ने क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। फर्क सिर्फ इतना है कि इस बार चर्चा महिला क्रिकेटर की है। नाम है अक्षरा गुप्ता। उम्र सिर्फ 15 साल। बिहार विमेंस अंडर-19 वनडे ट्रॉफी में उन्होंने महज 126 गेंदों में नाबाद 306 रन बना दिए। उनकी पारी में 55 चौके और 8 छक्के शामिल रहे। 233 मिनट तक क्रीज पर टिककर उन्होंने 242.86 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए। उन्होंने महज 16 गेंदों में अर्धशतक और 34 गेंदों में शतक पूरा कर लिया। यह कहानी बिहार के नेपाल बॉर्डर से सटे एक छोटे से शहर रक्सौल की है, जहां न कोई बड़ी क्रिकेट अकादमी थी, न आधुनिक सुविधाएं और न ही लड़कियों के लिए क्रिकेट खेलने का माहौल। 8 साल की उम्र में बल्ला उठाया, घर के पीछे बनी पिच ने बदली जिंदगीः-अक्षरा के पिता राज किशोर शाह चिकन की दुकान चलाते हैं। मां रीना देवी हाउस वाइफ हैं। बेटी का क्रिकेट के प्रति जुनून देखकर पिता ने घर के पीछे नेट और प्रैक्टिस पिच बनवा दी। मां रोज सुबह 5 बजे उठाकर दूध पिलातीं और दौड़ने भेजती थीं। अक्षरा ने 8 साल की उम्र में भाइयों और मोहल्ले के लड़कों के साथ क्रिकेट खेलना शुरू किया। चाचा रामकृपा ने उनका टैलेंट पहचाना और रोज थ्रोडाउन कराकर अभ्यास कराया। 2020 से रेगुलर ट्रेनिंग और अक्षरा आज भी रोज करीब 5 घंटे प्रैक्टिस करती हैं। 14 साल में मिली अंडर-19 की कप्तानी, उसी उम्र में सीनियर टीम में भी जगहः-अक्षरा के कजिन ऋषभ, जो बिहार क्रिकेट से जुड़े हैं, उनके पहले आइडल बने। 2024 उनके करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। बिहार अंडर-19 टीम में चयन के कुछ ही समय बाद महज 14 साल की उम्र में उन्हें कप्तानी सौंप दी गई। हरियाणा और पंजाब जैसी मजबूत टीमों के खिलाफ अर्धशतक जड़कर उन्होंने पहचान बनाई। इसका इनाम उन्हें फरवरी 2026 में मिला। 14 साल की उम्र में ही उनका सिलेक्शन बिहार की सीनियर महिला टीम में हो गया। वह राज्य के लिए सीनियर क्रिकेट खेलने वाली सबसे कम उम्र की महिला क्रिकेटर बनीं। एक ही सीजन में बीसीसीआई के चार एज ग्रुप खेले, फिर 126 गेंदों में जड़ दिया तिहरा शतक- अक्षरा एक ही सीजन में बीसीसीआई के चारों एज ग्रुप (अंडर-15, अंडर-19 टी-20, अंडर-19 वनडे और अंडर-23) टूर्नामेंट खेलने वाली बिहार की पहली महिला क्रिकेटर बनीं। इसके कुछ ही समय बाद उन्होंने लगातार दो ऐसी पारियां खेलीं, जिसने उन्हें देशभर में पहचान दिला दी। 19 जून को भागलपुर के संदीस कंपाउंड ग्राउंड में बिहार महिला अंडर-19 वनडे ट्रॉफी के मुकाबले में अक्षरा ने 126 गेंदों में नाबाद 306 रन ठोक दिए। इस दौरान उन्होंने 55 चौके और 8 छक्के लगाए। 242.86 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 233 मिनट तक क्रीज पर डटी रहीं। उनकी पारी की बदौलत टीम ने 40 ओवर में 450 रन बनाए, जबकि विपक्षी टीम 121 रन पर सिमट गई। चार दिन बाद अक्षरा ने 68 गेंदों में 164 रन बनाए, जिसमें 24 चौके और 6 छक्के शामिल रहे। क्यों कहा जा रहा 'फीमेल वैभव सूर्यवंशी'? अक्षरा और वैभव दोनों बिहार से हैं, दोनों बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं और दोनों पहली ही गेंद से गेंदबाजों पर हमला करने में भरोसा रखते हैं। यही वजह है कि क्रिकेट जगत और सोशल मीडिया पर अक्षरा को 'फीमेल वैभव सूर्यवंशी' कहा जाने लगा। अक्षरा का पसंदीदा शॉट कवर ड्राइव है। स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ उनकी बल्लेबाजी सबसे मजबूत मानी जाती है। स्मृति से इंस्पायर, विराट की मेंटेलिटी पसंद-अक्षरा की सबसे बड़ी इंस्पिरेशन स्मृति मंधाना हैं। उनकी बल्लेबाजी, टाइमिंग और कवर ड्राइव अक्षरा को सबसे ज्यादा पसंद हैं। वहीं वे विराट कोहली की अटैकिंग सोच, फिटनेस की फैन हैं। अक्षरा डब्लूपीएल और आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को सपोर्ट करती हैं। अक्षरा कहती हैं कि उनका सबसे बड़ा सपना भारतीय महिला टीम की जर्सी पहनना है।

एशियन गेम्स के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम की हुई घोषणा, वर्ल्डकप हारने वाली दो खिलाड़ी बाहर

हरमनप्रीत ही होंगी कप्तान, मंधाना को उपकप्तान बनाया

मुंबई। अगले महीने जापान में होने वाले एशियन गेम्स के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम का ऐलान कर दिया गया है। सिलेक्टर्स ने हरमनप्रीत कौर को ही कप्तान और स्मृति मंधाना को उपकप्तान बनाया है। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 हारने वाली टीम में दो बदलाव किए गए हैं। विकेटकीपर यास्तिका भाटिया की जगह जी. कमलिनी को टीम में शामिल किया गया है, जबकि प्रेमा राउत को बाहर कर दिया गया है। वहीं, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स और दीप्ति शर्मा जैसे अनुभवी खिलाड़ियों पर चयनकर्ताओं ने भरोसा बरकरार रखा है।खराब फॉर्म से जूझ रही विकेटकीपर यास्तिका भाटिया को टीम से ड्रॉप कर दिया गया है। उनकी जगह डब्लूपीएल में मुंबई इंडियंस से खेलने वाली 17 साल युवा विकेटकीपर जी. कमलिनी को मौका दिया गया है। यास्तिका वर्ल्ड कप के दौरान मिले मौकों का वे फायदा नहीं उठा सकीं। उन्होंने 4 मैचों की 3 पारियों में 13.66 की औसत और 117.14 के स्ट्राइक रेट से केवल 41 रन बनाए। श्रेयंका पाटिल फिट, प्रेमा को मौका नहीं-स्पिन ऑलराउंडर श्रेयंका पाटिल को फिटनेस क्लीयरेंस मिलने के बाद टीम में जगह दी गई है। वे टी-20 वर्ल्ड कप में नीदरलैंड के खिलाफ टखने में चोट के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गई थीं। उनकी जगह वर्ल्ड कप टीम में शामिल प्रेमा रावत को इस बार मौका नहीं मिला। पेस अटैक की जिम्मेदारी रेणुका सिंह और अरुंधति रेड्डी संभालेंगी, जबकि स्पिन विभाग में राधा यादव और श्रेयांका पाटिल मुख्य चेहरा होंगी। एशियन गेम्स टी-20 फॉर्मेट में खेले जाएंगे मुकाबले-एशियन गेम्स में क्रिकेट इवेंट टी20 (टी20) फॉर्मेट में आयोजित किया जाएगा। आईसीसी रैंकिंग में टॉप टीमों में शामिल होने के कारण भारतीय महिला टीम को सीधे क्वार्टर फाइनल या नॉकआउट स्टेज में एंट्री मिलने की उम्मीद है। पिछली बार की तरह इस बार भी भारतीय टीम का मुख्य मुकाबला पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश जैसी एशियाई टीमों से होने की उम्मीद है। मुख्य कोच और मैनेजमेंट खिलाड़ियों के वर्कलोड और फिटनेस पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। एशियन गेम्स 2026 के लिए भारत का स्क्वॉड-हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी. कमलिनी (विकेटकीपर), भारती फुलमाली, श्री चरणी, रेणुका ठाकुर, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, श्रेयांका पाटिल, राधा यादव, नंदनी शर्मा।

जर्मनी फुटबॉल वर्ल्डकप से बाहर,पैराग्वे और मोरक्को पेनल्टी शूटआउट में जीते

मार्टिनेली के गोल से ब्राजील अंतिम-16 में पहुंचा

न्यूज़ डेस्क। फुटबॉल वर्ल्ड कप में मंगलवार को बड़ा उलटफेर हुआ। पैराग्वे ने चार बार की वर्ल्ड चैंपियन जर्मनी को पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से हराकर बाहर कर दिया। जर्मनी टूर्नामेंट के इतिहास में पहली बार पेनल्टी में हारी है। इससे पहले 5 बार की चैंपियन ब्राजील ने रोमांचक मुकाबले में जापान को 2-1 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। यह जीत 1958 में स्वीडन में जीते उसके पहले वर्ल्ड कप की सालगिरह के दिन आई। टीम 20वीं बार राउंड ऑफ-16 में पहुंची है। एक अन्य मुकाबले में मोरक्को ने नीदरलैंड को पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से हराया। ब्राजील अब राउंड ऑफ-16 में आइवरी कोस्ट या नॉर्वे से भिड़ेगा, जबकि पैराग्वे का मुकाबला फ्रांस और स्वीडन के विजेता से होगा। मोरक्को का मैच 4 जुलाई को कनाडा से होगा।मोरक्को के गोलकीपर ने 2 सेव किए; ब्राजील के मार्टिनेली ने आखिरी मिनट में गोलः-फॉक्सबोरो में फीफा रैंकिंग में 34वें नंबर की टीम पैराग्वे ने राउंड ऑफ 32 में 12वें नंबर की जर्मनी को कड़ी टक्कर दी। निर्धारित समय और इंजरी टाइम के बाद स्कोर 1-1 की बराबरी पर रहा। पेनल्टी शूटआउट में जोस कैनाले ने पहला सडन डेथ पेनल्टी गोल किया, जबकि गोलकीपर ऑरलैंडो गिल ने दो अहम बचाव कर टीम को जीत दिलाई। इधर, ह्यूस्टन में ब्राजील की जीत आखिरी क्षणों में आई। दूसरे हाफ में सब्स्टीट्यूट के तौर पर उतरे गैब्रियल मार्टिनेली ने इंजरी टाइम के छठे मिनट में गोल कर मुकाबला खत्म होने से ठीक पहले टीम को जीत दिला दी।ब्राजील 20वीं बार राउंड ऑफ 16 में पहुंची है। आगे दोनों मैच रिपोर्टः-जर्मनी बनाम पैराग्वेः-इंजरी टाइम में जोनाथन ताह का गोल अमान्य हुआ-पैराग्वे ने 42वें मिनट में बढ़त बनाई। मिगेल अल्मिरोन के पास पर मातियास गालार्सा ने क्रॉस किया, जिस पर जूलियो एनसिसो ने हेडर से गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। जर्मनी ने 52वें मिनट में वापसी की। फ्लोरियन विट्र्ज के क्रॉस पर काई हैवट्र्ज ने हेडर से बराबरी का गोल किया। अतिरिक्त समय के 102वें मिनट में जोनाथन ताह ने कॉर्नर पर गोल किया, लेकिन वीडियो रिव्यू में वाल्डेमार एंटोन द्वारा गोलकीपर ऑरलैंडो गिल को धक्का देने की पुष्टि होने पर गोल रद्द कर दिया गया।

महिला क्रिकेट टीम को अब आगे की राह तलाशनी होगी

आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल होने जा रहे हैं, लेकिन भारत अंतिम चार में नहीं है। प्रशंसकों के लिए यह निश्चित रूप से मायूस करने निश्चित रूप से एक समस्या है। जेमिमा रोड्रिगेज और यास्तिका भाटिया का तो पूरा टूर्नामेंट ही खराब रहा और जेमिमा को कुछ समय लेकर आत्ममंथन करना कोई भी अन्य उस समय आगे नहीं आया, जब टीम को इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। पूरे टूर्नामेंट में क्षेत्ररक्षण औसत से नीचे रहा और यहां तक कि महीने बेहद महत्वपूर्ण होंगे कि वे टीम को किस दिशा में ले जाते हैं। हालांकि चोटों ने टीम को प्रभावित किया, लेकिन आपको बैकअप खिलाड़ियों को तैयार

वाला होगा। लेकिन सच्चाई यह है कि पिछले दो हफ्तों में हमारी टीम ने जिस तरह का प्रदर्शन किया, उसके आधार पर वह वहां तक पहुंचने की हकदार नहीं थी। टीम एकजुट होकर नहीं खेल पाई। एक-दो उल्लेखनीय व्यक्तिगत प्रयास जरूर रहे, लेकिन टीम के रूप में प्रदर्शन दिखाई नहीं दिया। यही बात ऑस्ट्रेलिया व दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए मैचों में भारी पड़ी। अगर कप्तान हरमनप्रीत कौर से शुरुआत करें, तो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्होंने एक शानदार पारी खेली थी। वे अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में थीं और उनकी पारी के कारण ही भारत मुकाबले में बना हुआ था। लेकिन बाकी सभी मैचों में वे जरूरत से ज्यादा सतर्क नजर आईं। अगर उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भी ऐसी ही पारी खेली होती, तो भारत वह मैच जीत सकता था और सेमीफाइनल में पहुंच सकता था। यह निरंतरता की वही कमी है, जो टीम को नुकसान पहुंचा रही है। स्मृति मंधाना ने दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ महत्वपूर्ण मुकाबलों में अच्छी शुरुआत करने के बावजूद कोई बड़ी भूमिका नहीं निभाई। सच्चाई यह है कि यही दो मैच मायने रखते थे, क्योंकि बाकी मुकाबले अपेक्षाकृत कमजोर टीमों के खिलाफ थे। ऐसे में जब आपकी सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी ही बड़ा योगदान नहीं दे पाती, तो यह चाहिए कि आखिर समस्या कहां है। उनमें प्रतिभा है, लेकिन वे खुद भी यह स्वीकारेंगी कि उन्होंने अपने करियर में अभी तक

क्षमता के अनुरूप प्रदर्शन नहीं किया है। 2025 के विश्व कप सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगाए शतक जैसी पारियों को छोड़ दें, तो वे लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई हैं। दीप्ति शर्मा ने पाकिस्तान के खिलाफ पांच विकेट लेने के बाद ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ा और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना 356वां विकेट हासिल करने के बावजूद उनका विश्व कप फीका ही रहा। ऋचा भी एक अच्छे मैच के बाद कुछ खास नहीं कर पाईं। गेंदबाजी में चारणी के अलावा सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में शामिल राधा यादव ने भी कई कैच छोड़े। अब आगे का रास्ता क्या है। अगला पड़ाव एशियन गेम्स हैं और एशियाई स्तर पर कोई बड़ी प्रतिस्पर्धा नहीं होने के कारण भारत आसानी से स्वर्ण पदक जीत सकता है। लेकिन जिस टूर्नामेंट पर ध्यान होना चाहिए, वह फरवरी 2027 में श्रीलंका में होने वाली चैम्पियंस ट्रॉफी है। क्या कोच अमोल मजुमदार कुछ कठोर फैसले ले सकते हैं और टीम को टी-20 के अनुरूप ढाल सकते हैं? 2024 और 2026 में ग्रुप चरण से बाहर होना अच्छा नहीं है और दो साल बाद ओलम्पिक को देखते हुए भारत को नए विचारों की जरूरत है। अमोल के लिए आने वाले कुछ रखना होता है और नए खिलाड़ियों को विकसित करना होता है। जब हमारे पास इतनी प्रतिभा और संसाधन हैं, तो स्वाभाविक है कि उम्मीदें भी ऊंची होंगी। अमोल को अपनी रणनीति पर भी विचार करना होगा। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्होंने जेमी को रिटायर आउट क्यों नहीं किया और ऋचा को पहले क्यों नहीं भेजा? नंबर 3 की स्थिति को लगातार क्यों बदला जाता रहा? हालांकि लेफ्ट-राइट कॉम्बिनेशन इसका एकमात्र संभावित कारण हो सकता है, लेकिन क्या यह भी सच नहीं है कि नंबर 3 एक विशेष भूमिका है और किसी भी खिलाड़ी को उसमें जमने के लिए लंबा समय चाहिए? गेंदबाजी में प्रेमा रावत को 2 ओवर के बाद बाहर क्यों बैठाया गया? ऐसे कई सवालों के साथ हम विश्व कप को समाप्त कर रहे हैं और अब समय की सबसे बड़ी जरूरत यही होगी कि कुछ जवाब तलाशे जाएं और समाधान लागू किए जाएं। (ये लेखक के अपने विचार हैं,बोरिया मजुमदार)

एआई के क्षेत्र में ये 4 फैक्टर हमें कामयाबी दिला सकते हैं

आप मानें या न मानें, लेकिन हम एक सभ्यतागत बदलाव से गुजर रहे हैं। पिछली बार इस सवाल है कि क्या हम इस बदलाव से मूल्य हासिल कर पाएंगे? भारत वैश्विक एआई कैपेबिलिटी सेंटर, स्टार्टअप और बड़ी कंपनियां देश में एआई टीमें बना रही हैं। यह संकेत है के रूप में एआई अर्थव्यवस्था की आधारभूत संरचना में बड़े विस्तार का साक्षी बन रहा है।

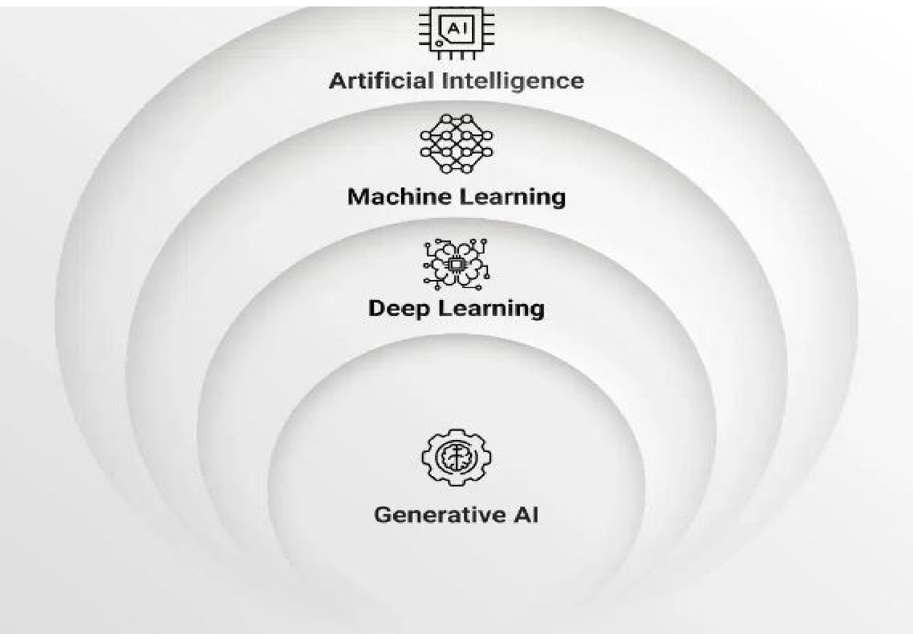

पैमाने का बदलाव औद्योगिक क्रांति में हुआ था, जिसे पूरा होने में दो सदियां लगी थीं। लेकिन ये वाला दो दशकों में पूरा हो जाएगा। स्टैनफोर्ड एआई इंडेक्स के अनुसार जीपीटी-3.5 स्तर के किसी मॉडल से प्रश्न पूछने की लागत 2022 में प्रति मिलियन टोकन 20 डॉलर थी, जो 2024 तक घटकर 0.07 डॉलर रह गई। सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग क्षमता का व्यावहारिक मूल्यांकन करने वाले 'एसडब्ल्यूई-बेंच' पर एआई सिस्टमों ने अपना प्रदर्शन सुधारा है। 2023 में ये सिस्टम केवल 4.4फीसदी समस्याएं हल कर पा रहे थे, 2024 में यह आंकड़ा 71.7फीसदी तक पहुंच गया। मैकिन्से के सर्वे में पाया गया कि 2025 तक 88फीसदी संगठन कम-से-कम एक व्यावसायिक कार्य में एआई का उपयोग शुरू कर चुके थे, जबकि दो वर्ष पहले यह आंकड़ा 55फीसदी था। जनरेटिव एआई भी तीन वर्षों में 53फीसदी आबादी तक पहुंच गया है। इंटेलिजेंस आज पहले से कहीं सस्ती, अधिक उपलब्ध और व्यापक रूप से इस्तेमाल योग्य बन चुकी है। इसे देखते हुए हर सरकार, कंपनी और संस्थान को अपनी धारणाओं पर दोबारा सोचना चाहिए। भारत के लिए भी ऐसे में आज असली सिस्टमों को डिजिटल डेटा, भाषाई विविधता और मानवीय संदर्भ उपलब्ध कराता है, लेकिन अत्याधुनिक मॉडल किन्हीं और देशों में ही केंद्रित हैं। स्टैनफोर्ड के अनुसार, 2024 में अग्रणी एआई मॉडलों में लगभग 90फीसदी अमेरिका से आए थे। दूसरे शब्दों में, भारत भविष्य की इंटेलिजेंस प्रणाली को प्रशिक्षित करने में मदद कर रहा है, लेकिन स्वयं की कम्प्यूटिंग क्षमता, डेटा आर्किटेक्चर और मॉडल निर्माण क्षमता के बगैर इस मूल्य का बड़ा हिस्सा विदेशों में चला जाता है। लेकिन भारत की शुरुआत कमजोर नहीं है। वास्तव में उसके पास चार ऐसे एडवांटेज हैं, जिनकी बराबरी बहुत कम देश कर सकते हैं। यह हैं- प्रतिभा, नियमों का खुलापन, इंफ्रास्ट्रक्चर और एनर्जी। प्रतिभा की बात करें तो एआई-कुशल आबादी के मामले में भारत का पहला स्थान है। हमारे यहां एआई कौशल का स्तर वैश्विक औसत से 2.8 गुना अधिक है, जो अमेरिका और जर्मनी से भी आगे है। पिछले दशक में भारत में एआई-प्रतिभा तेजी से बढ़ी है। भारत अब केवल इंजीनियर निर्यात करने वाला देश नहीं रहा, बल्कि घर में ही इस प्रतिभा का इस्तेमाल भी कर रहा है। ग्लोबल कि भारत एआई युग का बैक-ऑफिस नहीं, उसके प्रमुख संचालन केंद्रों में से एक बन रहा है। दूसरे, कई देश जहां एआई पर पहले से कड़े नियंत्रण लागू करने की तरफ बढ़ रहे हैं, वहीं इस दिशा में भारत का नजरिया शायद दुनिया में सबसे दूरदर्शी है। हमने हल्के-फुल्के नियमनों को चुना है। आरबीआई का रेगुलेटरी सैंडबॉक्स, इंटरनेशनल फाइनेंशियल सर्विस सेंटर अथॉरिटी (आईएफएससीए) इनोवेशन फ्रैमवर्क और इंडिया-एआई मिशन की सिद्धांत-आधारित गाइडलाइन- ये सभी एक ही उद्देश्य के लिए डिजाइन किए गए हैं कि पहले बनाओ, फिर जो सामने आए उसे विनियमित करो। तेजी से बदलते क्षेत्रों में अत्यधिक कठोर नियम तकनीक के इस्तेमाल में देरी कर सकते हैं, लागू करने का खर्च बढ़ा सकते हैं और छोटी कंपनियों में प्रयोगों को हतोत्साहित कर सकते हैं। इसलिए व्यापक प्रतिबंध लगाने से पहले इनोवेशन को विकसित होने देने की भारत की नीति हमें प्रतिस्पर्धी बढ़त दिला सकती है। तीसरा लाभ है बुनियादी ढांचा। भारत डेटा सेंटरों, सेमीकंडक्टरों, क्लाउड कैपेसिटी और हाई-परफॉर्मेंस कम्प्यूटिंग सिर्फ डेटा सेंटर क्षेत्र में ही 70 अरब डॉलर का निवेश चल रहा है और 90 अरब डॉलर के अतिरिक्त निवेश की घोषणा हो चुकी है। विशाखापट्?टनम में गूगल का 15 अरब डॉलर का एआई हब, क्लाउड और एआई में माइक्रोसॉफ्ट की 17.5 अरब डॉलर की प्रतिबद्धता, जामनगर में रिलायंस की मल्टी-गीगावॉट डेटा सेंटर की योजनाएं बताती हैं कि वैश्विक पूंजी भारत के स्थान को नए सिरे से परिभाषित करने में जुट गई है। डेटा सेंटरों को चौबीसों घंटे भरोसेमंद बिजली चाहिए। 2025-26 में देश ने रिकॉर्ड 55.3 गीगावॉट अतिरिक्त गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता हासिल की। बीते दशक में हमने सौर ऊर्जा शुल्कों को भी कम किया है। इससे भारत ऐसी जगह के तौर पर उभरा है, जहां एआई इंफ्रास्ट्रक्चर को क्लीन एनर्जी के जरिए चलाया जा सकता है। हमारे यहां एआई कौशल का स्तर वैश्विक औसत से 2.8 गुना अधिक है, जो अमेरिका और जर्मनी से भी आगे है। पिछले दशक में भारत में एआई-प्रतिभा तेजी से बढ़ी है। भारत घर में ही इस प्रतिभा का इस्तेमाल करने भी लगा है। (ये लेखक के अपने विचार हैं,अमिताभ कांत)

कामयाबी का फॉर्मूला नहीं, हुनर को क्राफ्ट में बदलें:प्रतिभा, अनुशासन और आत्म सम्मान... ये तीन चीजें आपकी क्षमता को सफलता में बदलती हैं

कामयाबी का कोई एक फॉर्मूला नहीं होता। अगर ऐसा कोई फॉर्मूला होता, तो शायद दुनिया में नाकामयाबी नाम की चीज ही नहीं होती। फिर भी कुछ बातें हैं, जो लगभग हर कामयाब इंसान की जिंदगी में किसी-न-किसी रूप में दिखाई देती हैं। मेरे अनुभव में कामयाबी के लिए तीन चीजें बेहद महत्वपूर्ण कुदरती हुनर के साथ और कोई लोगों के मन को पढ़ लेने की अद्भुत क्षमता के साथ। लेकिन टैलेंट अपने-आप में कामयाबी की गारंटी नहीं है। टैलेंट शुरुआती फायदा देता है, लेकिन आगे वही टिकता है जो अपने हुनर को क्राफ्ट में बदल देता है। दुनिया ऐसे लोगों से भरी पड़ी है, जिनमें बेमिसाल टैलेंट था, करनी होगी। जब लोग कामयाबी और अनुशासन की बात करते हैं, तो वे अक्सर मान लेते हैं कि कामयाब इंसान हर दिन एक तयशुदा समय पर उठता होगा, हर काम वक्त पर करता होगा और कभी टाल-मटोल नहीं करता होगा। लेकिन मेरे मामले में यह तस्वीर पूरी तरह सही नहीं है। मैं उन लोगों में से हूं, जो अक्सर अजीब-सा बदलाव होता है। जो काम कई दिनों से शुरू नहीं हो पा रहा था, वही कुछ घंटों में आगे बढ़ने लगता है। दिमाग तेजी से काम करने लगता है। विचार आने लगते हैं। शब्द मिलने लगते हैं। जैसे भीतर कहीं कोई मशीन थी, जो अब तक बंद पड़ी थी और अचानक पूरी रफ्तार से चलने लगी हो। कई बार मुझे

हैं- प्रतिभा, अनुशासन और आत्म-सम्मान। इन तीनों में से किसी एक की भी कमी इंसान को उसकी पूरी क्षमता तक पहुंचने से रोक सकती है। सबसे पहले प्रतिभा की बात करते हैं। टैलेंट एक ऐसी पूंजी है, जो हमें जन्म के साथ मिलती है। कोई शब्दों का जादूगर बनकर पैदा होता है, कोई म्यूजिक की समझ लेकर, कोई मैथ्स को लेकर लेकिन उनकी उपलब्धियां उनकी काबिलियत से बहुत छोटी रहीं। बीज चाहे कितना भी अच्छा क्यों न हो, अगर उसे सही मिट्टी, पानी और देखभाल न मिले तो वह पेड़ नहीं बन सकता। इसी तरह टैलेंट को उपलब्धि में बदलने के लिए कड़ी मेहनत, सब्र और सेल्फ-डिसिप्लिन की जरूरत होती है। लेकिन यहां मुझे अपने बारे में एक सच्चाई स्वीकार काम को आखिरी वक्त तक टालते रहते हैं। मान लीजिए किसी ने कहा कि कोई गाना पांच तारीख तक देना है। मेरे भीतर से तुरंत एक आवाज आती है- अरे, अभी तो दो तारीख है। अभी बहुत वक्त है। फिर दो तारीख तीन में बदल जाती है, तीन चार में, और देखते-देखते पांच तारीख सामने खड़ी हो जाती है। तब अचानक एक लगता है कि मेरी प्रेरणा का स्रोत उत्साह और जोश से ज्यादा डर है, घबराहट है। मैं मूड बनने का इंतजार कम करता हूं, डेडलाइन के दबाव का इंतजार ज्यादा करता हूं। यह सुनने में अजीब लग सकता है, लेकिन बहुत-से रचनात्मक लोगों के साथ ऐसा होता है। दरअसल डेडलाइन की अपनी एक साइकोलॉजी होती है। जब समय बहुत होता है तो हमारा मन यह मानकर चलता है कि काम कभी भी किया जा सकता है। लेकिन जैसे-जैसे वक्त करीब आने लगता है, हमारे भीतर एक बेचैनी पैदा होती है। यही बेचैनी एनर्जी में बदल जाती है। यही एनर्जी हमें काम की ओर धकेलती है। मैं इसे डेडलाइन का आतंक कहता हूं। यह आतंक नुकसानदेह नहीं होता। यह वह डर नहीं है जो हमें जकड़ दे। यह वह डर है जो हमें जगाता है। यह हमें याद दिलाता है कि अब टालने की गुंजाइश नहीं बची। अब करना ही होगा। मुझे याद है, 'तुमको देखा तो ये खयाल आया' जैसे गीत को मैं कई दिनों तक टालता रहा। गीत लिखना था, लेकिन मैं उसे कल पर छोड़ता जा रहा था। फिर वह वक्त आ गया, जब डेडलाइन बिल्कुल सिर पर खड़ी थी। तब मैंने बैठकर उसे लिखना शुरू किया और हैरत की बात यह है कि पूरा गीत महज नौ मिनट में लिख गया। इससे मुझे एक बार फिर एहसास हुआ कि कई बार हम प्रेरणा का इंतजार करते रहते हैं, जबकि असली जरूरत काम पर बैठ जाने की होती है। जब आप काम शुरू कर देते हैं, तो शब्द अक्सर खुद अपना रास्ता बना लेते हैं। दिलचस्प बात यह है कि उम्र बढ़ने के साथ यह आदत सुधरने के बजाय कई बार और मजबूत हो जाती है। मैं यह नहीं कहूंगा कि यह काम करने का बेहतर तरीका है। शायद यह मेरी कमजोरी है। लेकिन सच यह भी है कि इसी कामकाजी तौर-तरीके ने मुझे कई बार मेरी सीमाओं से आगे जाकर काम करने की क्षमता दी है। इसलिए मैं इसे अपनी कमजोरी और ताकत- दोनों मानता हूं। लेकिन कामयाबी की कहानी केवल टैलेंट और अनुशासन पर समाप्त नहीं होती। एक तीसरी चीज है, जिसके बिना कामयाबी का अर्थ अधूरा रह जाता है। वह है आत्म-सम्मान, खुद्दारी। इसे लोग अक्सर अहंकार और घमंड समझ लेते हैं, जबकि दोनों में बहुत फर्क है। अहंकार आपको दूसरों से बड़ा साबित करना चाहता है, जबकि आत्म-सम्मान आपको अपने भीतर की गरिमा का एहसास कराता है। इसका

मतलब यह नहीं है कि आप खुद को सबसे बड़ा, सबसे बेहतर समझें। इसका मतलब सिर्फ इतना है कि आप अपनी वैल्यू पहचानें और अपनी गरिमा तथा सिद्धांतों से समझौता न करें। जिंदगी में बार-बार ऐसे हालात बनते हैं, जब इंसान को आराम और इज्जत में से किसी एक को चुनना पड़ता है। एक रास्ता आसान होता है। उसके लिए थोड़ा समझौता करना पड़ता है, थोड़ा सिर झुकाना पड़ता है और अपने कुछ उसूलों को किनारे रखना पड़ता है। बदले में फायदा मिलता है, मौके मिलते हैं और तरक्की का रास्ता खुलता हुआ नजर आता है, कभी-कभी कामयाबी भी मिल जाती है। लेकिन सवाल यह है कि उस कामयाबी की कीमत क्या है? हर किसी को अपने जीवन में एक अदृश्य लक्ष्मण-रेखा निर्धारित करनी पड़ती है। वही तय करती है कि वह किन परिस्थितियों में झुक सकता है और किनके सामने नहीं। यह रेखा किसी कागज या जमीन पर नहीं, बल्कि मन और विवेक के भीतर खिंची होती है। आपमें यह कहने का साहस होना चाहिए कि मैं यहां तक जा सकता हूं, लेकिन इसके आगे नहीं। इसलिए सेल्फ-रेस्पेक्ट सिर्फ एक जज्बा नहीं, बल्कि दुनिया के सामने अपनी अहमियत और अपनी हदों का ऐलान भी है। लेकिन इसका मतलब जिद भी नहीं है; यह समझना बहुत जरूरी है। टैलेंट आपको शुरुआत करने की ताकत देता है। अनुशासन आपको रास्ते पर बनाए रखता है। लेकिन आत्म-सम्मान आपको यह याद दिलाता रहता है कि मंजिल तक पहुंचने की दौड़ में आपने अपने भीतर के इंसान को कितना बचाकर रखा है। मैंने अपनी जिंदगी में यह देखा है कि रचनाकार का सबसे बड़ा निवेश उसका दिमाग और उसकी कल्पना होती है। एक गीतकार या लेखक अपनी रचना लिख देता है, लेकिन कई बार उसके बाद उस रचना से होने वाले लाभ में उसका कोई हिस्सा नहीं होता। मुझे यह हमेशा गलत लगा। जब मैंने गीतकारों और लेखकों के अधिकारों की बात उठानी शुरू की, तो बहुत लोगों ने कहा कि यह लड़ाई मुश्किल है, व्यवस्था ऐसी ही चलती आई है। कुछ लोगों ने सलाह दी कि मुझे अपने काम से काम रखना चाहिए। लेकिन मेरे लिए यह सिर्फ पैसों का मामला नहीं था। यह आत्म-सम्मान का मामला था। मेरा मानना था कि अगर किसी इमारत की नींव लेखक और संगीतकार रखते हैं, तो उन्हें यह अधिकार भी मिलना चाहिए कि उनकी रचना का इस्तेमाल जहां-जहां हो, वहां उनके अधिकार को मान्यता मिले। मैंने इस मुद्दे पर वर्षों तक आवाज उठाई, बैठकों में गया, बहसें कीं, लोगों को समझाने की कोशिश की। आखिरकार जब कॉपीराइट एक्ट में बदलाव हुए और लेखकों तथा गीतकारों के अधिकारों को अधिक मान्यता मिली, तो मुझे खुशी इसलिए नहीं हुई कि कोई व्यक्तिगत जीत मिली थी। संतोष इस बात का था कि रचनाकार की गरिमा को कुछ हद तक स्वीकार किया गया। मेरे लिए यह हमेशा आत्म-सम्मान की लड़ाई थी, और आत्म-सम्मान की लड़ाई कभी छोटी नहीं होती। (संपादन और समन्वय-अरविंद मण्डलोई,जावेद अख्तर)

पीएम मोदी-ताकाइची बैठक में हो सकता है ऐलान

भारत-जापान में डॉलर के बिना व्यापार की तैयारी, रुपए-येन में लेनदेन होगा

नयी दिल्ली। भारत भी पिछले कुछ वर्षों से रुपए में अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा दे रहा है। जुलाई 2022 में आरबीआई ने 'स्पेशल रुपी वोस्ट्रो अकाउंट' शुरू किया था, ताकि दूसरे देशों के साथ रुपए में व्यापार हो सके। बाद में इस व्यवस्था का दायरा बढ़ाया गया और विदेशी बैंकों को इन खातों में जमा अतिरिक्त रकम भारतीय सरकारी बॉन्ड में निवेश करने की भी अनुमति दी गई।भारत में बढ़ रहा जापानी निवेशः-भारत और जापान के आर्थिक रिश्ते लगातार मजबूत हो रहे हैं। वित्त वर्ष 2025-26 में दोनों देशों के बीच 27.5 अरब डॉलर का व्यापार हुआ। अप्रैल से दिसंबर 2025 के बीच जापान ने भारत में 3.2 अरब डॉलर का निवेश किया। वहीं जापान अगले 10 वर्षों में भारत में 61 अरब डॉलर से ज्यादा निवेश करने का लक्ष्य भी तय कर चुका है। फिलहाल

भारत में करीब 1,400 जापानी कंपनियां काम कर रही हैं, जिनमें लगभग आधी मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर से जुड़ी हैं। जापान मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना समेत कई बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में भी निवेश कर रहा है। हाल ही में जापानी कंपनी ने यस बैंक में 20फीसदी हिस्सेदारी खरीदने के लिए 1.6 अरब डॉलर का निवेश भी किया है। दोनों नेता इस दौरे के दौरान उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से भी मुलाकात करेंगे। इसके अलावा क्वाड, हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा और रणनीतिक सहयोग को लेकर भी चर्चा होने की संभावना है।भारत-जापान व्यापार की 5 खास बातेंः-जापान भारत में निवेश करने वाला पांचवां सबसे बड़ा देश है। मार्च 2026 तक उसका कुल निवेश रु4.58 लाख करोड़ पहुंच चुका था। भारत-जापान ने साल 2025 में अगले 10 साल के लिए 10 ट्रिलियन जापानी येन (रु5.84 लाख करोड़) के जापानी निजी निवेश का टारगेट तय किया। यह निवेश मुख्य रूप से सेमीकंडक्टर, क्लीन एनर्जी और हाई-टेक डिफेंस उद्योगों में होगा। एक सर्वे के मुताबिक, जापानी कंपनियों के लिए भारत दुनिया का सबसे पसंदीदा और भरोसेमंद निवेश देश है। भारत में व्यापार कर रही 75फीसदी से अधिक जापानी कंपनियां मुनाफे में हैं। चीन पर वैश्विक निर्भरता को कम करने के लिए भारत और जापान ने सेमीकंडक्टर और क्रिटिकल मिनरल्स जैसे लिथियम, कोबाल्ट की सप्लाई चेन को मजबूत करने के लिए 2025 में एक विशेष रणनीतिक डायलॉग शुरू किया है। मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल प्रोजेक्ट पूरी तरह जापानी शिनकानसेन तकनीक और जापानी लोन की मदद से आगे बढ़ रहा है, जो दोनों देशों के सहयोग का सबसे बड़ा प्रतीक है।

पाक बोला- हमारा पानी रोका तो हाथ काट देंगे, सिंधु जल संधि अब भी लागू, अपनी तरफ से खत्म नहीं कर सकता

इस्लामाबाद। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना

प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर पहले भी साफ कर चुके हैं कि पानी हमारी जीवनरेखा है और यह हमारी रेड लाइन भी है। 21 जून को पाक रक्षा मंत्री बोले थे- भारत के खिलाफ जंग छेड़ सकते हैंः-पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने 21 जून को सिंधु जल संधि स्थगित रहने को लेकर भारत को धमकी दी थी। पाकिस्तानी चैनल एआरवाई न्यूज से बातचीत में आसिफ ने कहा कि अगर पाकिस्तान को लगा कि उसकी जल सुरक्षा खतरे में है, तो वह भारत के खिलाफ जंग छेड़ सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत पाकिस्तान के हिस्से के पानी के प्रवाह में दखल दे रहा है और रणनीतिक हथियार के तौर पर इसका इस्तेमाल कर रहा है। हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि पिछले एक साल में इस मामले में क्या नए घटनाक्रम हुए हैं, इसकी उन्हें पूरी जानकारी नहीं है। अप्रैल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद भारत ने 1960 की सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया था। भारत का कहना है कि जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं करता, तब तक संधि बहाल नहीं की जाएगी। भारत-पाकिस्तान के बीच सिंधु जल समझौता क्या है? सिंधु नदी प्रणाली में कुल 6 नदियां हैं- सिंधु, झेलम, चिनाब, रावी, ब्यास और सतलुज। इनके किनारे का इलाका करीब 11.2 लाख वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। इसमें 47फीसदी जमीन पाकिस्तान, 39फीसदी जमीन भारत, 8फीसदी जमीन चीन और 6फीसदी जमीन अफगानिस्तान में है। इन सभी देशों के करीब 30 करोड़ लोग इन इलाकों में रहते हैं। 1947 में भारत और पाकिस्तान के बंटवारे के पहले से ही भारत के पंजाब और पाकिस्तान के सिंध प्रांत के बीच नदियों के पानी के बंटवारे का झगड़ा शुरू हो गया था। 1947 में भारत और पाकिस्तान के इंजीनियरों के बीच 'स्टैंडस्टिल समझौता' हुआ।

इसके तहत दो मुख्य नहरों से पाकिस्तान को पानी मिलता रहा। ये समझौता 31 मार्च 1948 तक चला।1 अप्रैल 1948 को जब समझौता लागू नहीं रहा तो भारत ने दोनों नहरों का पानी रोक दिया। इससे पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की 17 लाख एकड़ जमीन पर खेती बर्बाद हो गई। दोबारा हुए समझौते में भारत पानी देने को राजी हो गया। इसके बाद 1951 से लेकर 1960 तक वर्ल्ड बैंक की मध्यस्थता में भारत पाकिस्तान में पानी के बंटवारे को लेकर बातचीत चली और आखिरकार 19 सितंबर 1960 को कराची में भारत के पीएम नेहरू और पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयूब खान के बीच दस्तखत हुए। इसे इंडस वाटर ट्रीटी या सिंधु जल संधि कहा जाता है।

सिंधु जल समझौता स्थगित करने का पाकिस्तान पर असर-पाकिस्तान में खेती की 90फीसदी जमीन यानी 4.7 करोड़ एकड़ एरिया में सिंचाई के लिए पानी सिंधु नदी प्रणाली से मिलता है।

पाकिस्तान की नेशनल इनकम में एग्रीकल्चर सेक्टर की हिस्सेदारी 23फीसदी है और इससे 68फीसदी ग्रामीण पाकिस्तानियों की जीविका चलती है।

ऐसे में पाकिस्तान में आम लोगों के साथ-साथ वहां की बेहाल अर्थव्यवस्था और बदतर होने लगी है। पाकिस्तान के मंगल और तारबेला हाइड्रोपावर डैम को पानी नहीं मिल पा रहा है। इससे पाकिस्तान के बिजली उत्पादन में 30फीसदी से 50फीसदी तक की कमी आ सकती है। साथ ही औद्योगिक उत्पादन और रोजगार पर असर पड़ेगा।

ज्येष्ठ पूर्णिमा पर डलमऊ वीआईपी गंगा घाट में भव्य गंगा महाआरती सम्पन्न

प्रभारी मंत्री राकेश सचान ने माँ गंगा का पूजन-अर्चन किया,स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण का दिया गया संदेश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। ज्येष्ठ पूर्णिमा के

पावन अवसर पर डलमऊ स्थित वीआईपी गंगा घाट पर आयोजित भव्य गंगा महाआरती कार्यक्रम में जनपद के प्रभारी मंत्री एवं उत्तर प्रदेश सरकार के खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा तथा वस्त्रोद्योग विभाग के मा0 मंत्री राकेश सचान ने मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता करते हुए माँ गंगा का विधिवत पूजन-अर्चन किया। कार्यक्रम में बड़ा मठ के देवेंद्रानंद जी महराज की गरिमामयी उपस्थित रही। इस अवसर पर मा0 अध्यक्ष जिला पंचायत रंजना चौधरी, जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका, पुलिस अधीक्षक रवि कुमार, मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता, प्रभागीय निदेशक एवं सदस्य संयोजक जिला गंगा समिति प्रखर मिश्रा मा0 अध्यक्ष नगर पंचायत डलमऊ ब्रजेश दत्त गौड़ सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मा0 मंत्री राकेश सचान ने कहा कि ज्येष्ठ पूर्णिमा भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा एवं आध्यात्मिक चेतना का अत्यंत महत्वपूर्ण पर्व है। माँ गंगा केवल एक पवित्र नदी नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक विरासत, आस्था और जीवनदायिनी शक्ति का प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि गंगा महाआरती हमारी आध्यात्मिक परंपराओं को सुदृढ़ करने के साथ-साथ स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण एवं सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति समाज को जागरूक करने का सशक्त माध्यम है। मा0 मंत्री ने उपस्थित श्रद्धालुओं से माँ गंगा की निर्मलता एवं अविरलता बनाए रखने का संकल्प लेने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह गंगा सहित सभी जल स्रोतों को स्वच्छ बनाए रखने में सक्रिय योगदान दे। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण एवं जल संरक्षण के लिए जनभागीदारी को और अधिक सशक्त बनाने की अपील भी की।गंगा महाआरती के दौरान वैदिक मंत्रोच्चार, शंखनाद, दीपों की अलौकिक आभा एवं भक्ति रस से ओत-प्रोत भजन-कीर्तन ने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर कर दिया। माँ गंगा की आरती के दिव्य दृश्य का साक्षी बनने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे, जिन्होंने श्रद्धा एवं भक्ति भाव से आरती में सहभागिता कर माँ गंगा का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर आपदा एवं बाढ़ नियंत्रण में सराहनीय योगदान देने वाले नाविकों व गोताखोरो को सम्मानित किया गया। प्रसाद वितरण कर कार्यक्रम का समापन किया गया।कार्यक्रम का संचालन एस0एस0 पाण्डेय द्वारा किया गया। कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, उप जिलाधिकारी डलमऊ सत्येन्द्र सिंह, क्षेत्राधिकारी गिरिजा शंकर त्रिपाठी, परियोजना निदेशक डीआरडीए मुनेश चन्द्र, तहसीलदार मंजरी सिंह, जिलाध्यक्ष अपना दल सतेन्द्र पटेल सहित जनप्रतिनिधिगण, विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

राजकीय आईटीआई नैनी प्रयागराज में प्रधानमंत्री अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन किया गया है

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। मंगलवार को राजकीय आईटीआई नैनी प्रधानाचार्य

अशोक कुमार जी के द्वारा बताया गया मेले मेंतीन कंपनियों ने प्रतिभा किया,जिसमें कुल 40 उसे प्रशिक्षार्थियो ने प्रतिभा किया इनमे से कुल 25 का चयन हुआ। इस अवसर पर प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना का प्रचार प्रसार भी किया गया हेल्प डेक्स के द्वारा बताया गया प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना बहुत ही लाभकारी योजना है इसका स्लोगन है 'सीखें कमाएं और आगे बढ़े'.प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना का विवरण कुछ इस प्रकार है। पहले तो यह की अभ्यर्थी भारतीय नागरिक होने चाहिए इस योजना के लाभार्थी 18 से 25 वर्ष की आयु होनी चाहिए। इस योजना की शैक्षणिक योग्यता 10वीं 12वीं आईटीआई, डिप्लोमा, ग्रेजुएशन हैं। प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना का लाभ कुछ इस प्रकार हैः-मासिक स्टाइपेंड कार्य अनुभव कौशल एवं कौशल विकास भविष्य में बेहतर रोजगार के अवसर आवेदन की प्रक्रिया Website- - pminternship.mca.gov.in पर जाकर रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। चयन प्रक्रिया कुछ इस प्रकार हैः- आवेदन और दस्तावेज सत्यापन और चयन, प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना 2026 का मुख्य लाभः- मासिक स्टाइपेंड रु9000, बड़ी कंपनियों में इंटर्नशिप का अवसर, Skill development (कौशल विकास) अनुभव प्रमाण पत्र, भविष्य में नौकरी के बेहतर अवसर। प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना में रजिस्ट्रेशन के लिए जरूरी दस्तावेज। आधार कार्ड शैक्षिक प्रमाण पत्र पासपोर्ट साइज फोटो बैंक खाता विवरण मोबाइल नंबर ई-मेल इसमें पूर्ण रूप से राकेश कुमार शर्मा कार्यदेशक श्री विपिन बिहारी कौशल का निर्देशक अमृतलाल गुप्ता अप्रेंटिस एडवाइजर एवं अनुदेशक भोलानाथ एवं अप्रेंटिसशिप ट्रेनीज के द्वारा सहयोग किया गया।

हज-2027 के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू, 20 जुलाई तक किए जा सकेंगे आवेदन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी श्री सुधांशु शेखर शर्मा ने अवगत कराया है कि श्री जावेद कमर खान सदस्य राज्य हज कमेटी उ0प्र0 को मिर्जापुर मंडल का प्रभारी बनाया गया है। जिनके मार्गदर्शन में हज यात्रा 2027 में अधिक से अधिक आवेदन कराने एवं प्रचार प्रसार का कार्य किया जा रहा है, जिसके क्रम में जनपद सोनभद्र के निवासियों को अवगत कराना है कि अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय एवं हज कमेटी ऑफ इंडिया द्वारा हज-2027 के लिए पात्र एवं इच्छुक भारतीय नागरिकों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। हज यात्रा पर जाने के इच्छुक आवेदक हज कमेटी ऑफ इंडिया की आधिकारिक वेबसाइट तथा मोबाइल एप्लिकेशन हज सुविधा के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। हज-2027 के लिए आवेदन प्रक्रिया दिनांक 22 जून, 2026 से प्रारम्भ हो चुकी है, जो 20 जुलाई, 2026 की रात्रि 11:59 बजे तक संचालित रहेगी। निर्धारित समय सीमा के पश्चात किसी भी प्रकार का आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। हज कमेटी ऑफ इंडिया द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार जुलाई 2026 के अंतिम सप्ताह में कुर्रा (डिजिटल रैंडम चयन) प्रक्रिया सम्पन्न की जाएगी। चयनित हज यात्रियों को 10 अगस्त, 2026 तक रु1,52,300 की अग्रिम राशि जमा करनी होगी। निर्धारित समय-सीमाओं में किसी प्रकार का विस्तार अथवा छूट प्रदान नहीं की जाएगी। आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे आवेदन से पूर्व जारी दिशा-निर्देशों, घोषणा पत्रों एवं प्रतिज्ञापत्रों का भली-भांति अध्ययन कर अपनी पात्रता सुनिश्चित कर लें। आवेदन के साथ मशीन-पठनीय भारतीय पासपोर्ट के प्रथम एवं अंतिम पृष्ठ, नवीन पासपोर्ट आकार का फोटो, बैंक पासबुक अथवा निरस्त चेक तथा पते के प्रमाण की स्कैन की गई प्रतियां निर्धारित प्रारूप में अपलोड करना अनिवार्य होगा। हज कमेटी ऑफ इंडिया ने यह भी स्पष्ट किया है कि हज सीट का निरस्तीकरण हतोत्साहित किया जाता है, क्योंकि इससे व्यवस्थागत एवं परिचालन संबंधी कठिनाइयां उत्पन्न होती हैं। इसलिए इच्छुक हज यात्रियों को अपनी तैयारी एवं यात्रा के प्रति पूर्ण प्रतिबद्धता सुनिश्चित करने के उपरांत ही आवेदन करने की सलाह दी गई है। हज सीट निरस्त किए जाने की स्थिति में हज-2027 के अनुसार निर्धारित दंडात्मक प्रावधान लागू होंगे। जनपद के इच्छुक नागरिकों से समय रहते आवेदन प्रक्रिया पूर्ण करने तथा सभी आवश्यक दस्तावेजों को निर्धारित मानकों के अनुरूप तैयार रखने की अपील की गई है। उक्त कार्य में किसी भी सहयोग हेतु कार्यालय जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सोनभद्र विकास भवन लोढी कमरा नम्बर60,61(दूरभाष-9198925133)अथवा फैसिलिटेशन सेंटर मदरसा दारूल उलूम कादरिया नूरिया बघारू दुद्धी (दूरभाष-9651951786) एवं मदरसा इस्लामिया इंटर कालेज ओबरा(दूरभाष-9451567208)से सम्पर्क किया जा सकता है।

नेशनल पोस्टल वर्कर्स डे (1 जुलाई)

डाककर्मियों के अथक समर्पण को विश्वभर में किया जाता है सम्मानित, पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव

भारतीय डाक केवल संदेश पहुँचाने का माध्यम नहीं, सरकारी योजनाओं व जनकल्याणकारी सेवाओं को आम नागरिकों तक पहुँचाने में भी अहम भूमिका- पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) पोरबंदर। आज भारतीय डाक केवल संदेश पहुँचाने का माध्यम नहीं, बल्कि देश के हर नागरिक तक भरोसा, सुविधा और शासकीय सेवाओं को पहुँचाने वाला एक सशक्त तंत्र बन चुका है। विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं जनकल्याणकारी सेवाओं को आम नागरिकों तक पहुँचाने में भी डाक कर्मी सरकार और जनता के बीच एक सशक्त एवं विश्वसनीय सेतु के रूप में उभरकर सामने आए हैं। डाक कर्मी लंबे समय से समाज की सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं और प्रत्येक वर्ष 1 जुलाई को मनाया जाने वाला 'नेशनल पोस्टल वर्कर्स डे' उनके अमूल्य योगदान को सम्मानित करने के लिए मनाया जाता है। उत्तर गुजरात परिक्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि 'नेशनल पोस्टल वर्कर डे' की अवधारणा अमेरिका से आई, जहाँ वाशिंगटन राज्य के सीएटल शहर में वर्ष 1997 में कर्मचारियों के सम्मान में इस विशेष दिवस की शुरुआत की गई। धीरे-धीरे इसे भारत सहित अन्य देशों में भी मनाया जाने लगा। यह दिन दुनिया भर में डाककर्मियों द्वारा की जाने वाली सेवा के सम्मान में

मनाया जाता है, जो हमारे समुदायों को आपस में जोड़े रखते हैं। पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने कहा कि संचार के क्षेत्र में डिजिटलीकरण ने भले ही व्यापक परिवर्तन ला दिया हो, लेकिन डाककर्मी आज भी वितरण व्यवस्था की रीढ़ बने हुए हैं। प्रतिकूल मौसम और विषम परिस्थितियों के बावजूद डाक कर्मी प्रतिदिन लंबी दूरी तय कर पत्र, स्पीड पोस्ट, पार्सल, ई-कॉमर्स उत्पाद, मेडिकल सप्लाई की समयबद्ध डिलीवरी सुनिश्चित करते हैं। भारत में आधार कार्ड, पासपोर्ट, पैन कार्ड, वोटर आईडी, ड्राइविंग लाइसेंस, बैंक चेक बुक, एटीएम कार्ड, पीएम विश्वकर्मा टूल किट्स, परीक्षा सामग्री, विभिन्न मंदिरों के प्रसाद, गंगाजल सहित अनेक महत्वपूर्ण दस्तावेज एवं आवश्यक सामग्री का वितरण पोस्टमैन के माध्यम से किया जाता है। 'डाक सेवा, जन सेवा' के संकल्प के साथ भारतीय डाक गाँव-गाँव और शहर-शहर तक सेवाएँ पहुँचाकर लोगों के जीवन को आसान बना रहा है। गुजरात डाक परिमंडल में 3,300 से अधिक पोस्टमैन तथा 8,000 से अधिक ग्रामीण डाक सेवक प्रतिदिन नागरिकों के घर-घर पहुँचकर डाक सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं। इनके माध्यम से प्रत्येक माह औसतन 52 लाख से अधिक स्पीड पोस्ट एवं पार्सल तथा 1.55 करोड़ से अधिक साधारण पत्रों का वितरण किया जाता है। वित्तीय वर्ष 2024-2025 में पूरे भारत में 3.92 अरब से ज्यादा डाक का परियात (ट्रैफिक) दर्ज किया गया। भारतीय डाक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी एवं उत्तर गुजरात क्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने कहा कि पोस्टमैन भारतीय डाक विभाग का सबसे जाना-पहचाना चेहरा है। 'डाकिया डाक लाया' के साथ-साथ, अब 'डाकिया बैंक लाया' भी उतना ही लोकप्रिय हो गया है। आज पोस्टमैन अपने डाक बैग में पत्रों के साथ-साथ स्मार्टफोन आधारित डिजिटल डिवाइस भी लेकर चलता है। ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक एवं सामाजिक समावेशन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पोस्टमैन और ग्रामीण डाक सेवक मोबाइल एटीएम के रूप में कार्य करते हुए डीबीटी, ई-केवाईसी, जन सुरक्षा योजनाओं, आधार सेवाओं, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, ई-श्रम कार्ड, वाहन बीमा तथा डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट जैसी अनेक सेवाएँ लोगों के द्वार तक पहुँचा रहे हैं। वे पाँच वर्ष तक के बच्चों का आधार नामांकन तथा घर-घर जाकर मोबाइल नंबर अपडेट करने का कार्य भी कर रहे हैं। आधार इनेबल्ड पेमेंट सिस्टम के माध्यम से नागरिकों को घर बैठे उनके विभिन्न बैंक खातों से नगदी उपलब्ध करायी जा रही है। ग्रामीण, जनजातीय, पर्वतीय एवं दूरस्थ क्षेत्रों, जहाँ डिजिटल या निजी कूरियर सेवाएँ उपलब्ध नहीं हैं, वहाँ आज भी पोस्टमैन लोगों के लिए सबसे विश्वसनीय संपर्क सूत्र और आवश्यक सेवाओं का प्रमुख माध्यम बने हुए हैं। भारतीय डाक विश्वास, संवाद और सुविधा को हर घर तक पहुँचाते हुए लगातार राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

मिस यूनिवर्स अवनी सिंह राजपूत ने परखी उभरती प्रतिभाएं, प्रयागराज फैशन वीक का दूसरा री-ऑडिशन सफलतापूर्वक संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। संगम नगरी में पहली बार बड़े स्तर पर आयोजित किए

जा रहे, प्रयागराज फैशन वीक के दूसरे चरण का री-ऑडिशन 28 जून 2026 को सेलेस्टियल इन होटल, प्रयागराज में उत्साहपूर्ण माहौल के बीच सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर मिस यूनिवर्स अवनी सिंह राजपूत मुख्य आकर्षण रहीं। उन्होंने निर्णायक मंडल की सदस्य के रूप में प्रतिभागियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया और उन्हें आत्मविश्वास, व्यक्तित्व विकास तथा फैशन इंडस्ट्री में आगे बढ़ने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। कार्यक्रम में शहर एवं आसपास के क्षेत्रों से आए बच्चों, युवाओं और मॉडलिंग के इच्छुक प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतिभागियों ने रैंप वॉक, ग्रूमिंग और अपने आत्मविश्वास का शानदार प्रदर्शन कर निर्णायकों का ध्यान आकर्षित किया। आयोजन को एआरए ज्वेलर्स सहित अन्य सहयोगी संस्थाओं का सहयोग प्राप्त हुआ। कार्यक्रम की आयोजक श्रद्धा पूर्वांचल ने बताया कि प्रयागराज फैशन वीक का उद्देश्य स्थानीय प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर का मंच उपलब्ध कराना है, ताकि वे फैशन और ग्लैमर की दुनिया में अपनी अलग पहचान बना सकें। निर्णायक मंडल में मिस यूनिवर्स अवनी सिंह राजपूतङ के साथ मोमेश पांडे, मिस्टर इंडिया ऋषभ चौरसिया एवं धीर सिंह शामिल रहे। वहीं डांस ऑडिशन के जज के रूप में डांस प्लस प्रो के मानु कुमार तथा डांस फीवर के सुजीत चंद्रा ने प्रतिभागियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया।कार्यक्रम में आलोक त्रिपाठी एवं श्वेता मोदनवाल ने प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया, जबकि पूरे आयोजन का प्रभावी संचालन एंकर अमन दुबे ने किया। सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स ऋषभ, हिमांशु, सत्यम, सूरज, अंकित, राजा, धीरंजय और तरूश की उपस्थिति ने कार्यक्रम को और आकर्षक बनाया। कार्यक्रम के मीडिया पार्टनर आधुनिक समाचार रहे। आयोजकों ने सभी प्रतिभागियों, निर्णायकों, प्रायोजकों और सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रयागराज फैशन वीक शहर की उभरती प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगा।

'चौहान' के टीजर पर विवाद,'पठानों से कह दो, चौहान आ गया' डायलॉग पर आपत्ति

मुंबई। अजय देवगन की फिल्म 'चौहान' का टीजर विवाद में आ गया। क्षत्रिय परिषद नाम के संगठन ने कहा कि ऐतिहासिक विरासत को सांप्रदायिक लामबंदी का माध्यम नहीं बनाया जाना चाहिए। संगठन ने फिल्म प्रोड्यूसर्स से राजपूत नाम का इस्तेमाल जातीय और सांप्रदायिक भावनाएं भड़काने के लिए नहीं करने की अपील की। 25 जून को फिल्म का टीजर रिलीज किया गया था। इसमें अजय देवगन की आवाज में एक डायलॉग है, 'पठानों से कह दो, चौहान आ गया है।' सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने इसे धार्मिक विभाजन बढ़ाने की कोशिश बताया। फिल्म को कश्मीर संघर्ष के चित्रण और यह दिखाने को लेकर भी आलोचना मिली कि पैलेट गन से कम नुकसान होता है। क्षत्रिय परिषद ने अपने बयान में कहा कि इतिहास की जटिलता का सम्मान किया जाना चाहिए और राजपूत विरासत का इस्तेमाल राजनीतिक या वैचारिक उद्देश्यों के लिए नहीं होना चाहिए। संगठन ने कहा कि 'चौहान' कुलनाम का समकालीन सांप्रदायिक राजनीति के लिए इस्तेमाल स्वीकार नहीं किया जा सकता। संगठन ने कहा कि जब मेनस्ट्रीम मीडिया और पब्लिक बातचीत में राजपूत समुदाय की आवाज पहले से कम प्रतिनिधित्व रखती है, तब किसी राजपूत कुलनाम का उपयोग केवल विवाद, जातीय और सांप्रदायिक भावनाएं भड़काने या राजनीतिक माहौल बनाने के लिए करना गैर-जिम्मेदाराना और असम्मानजनक है। इतिहास के उदाहरण भी दिए:;- संगठन ने कहा कि भारतीय इतिहास को सांप्रदायिक नजरिए से नहीं देखा जा सकता। बयान में कहा गया कि कई अवसरों पर राजपूत और पठान एक-दूसरे के साथ मिलकर लड़े।

इसमें खानवा के युद्ध में महाराणा सांगा के नेतृत्व में महमूद लोदी, हल्दीघाटी में महाराणा प्रताप की सेना में हकीम खान सूर, फरीद खान (बाद में शेरशाह सूरी) का राजा रायसल शेखावत से जुड़ाव और प्रथम पानीपत के युद्ध में महाराजा विक्रमादित्य तोमर का लोदी सेना के साथ लड़ना शामिल है।

संगठन ने कहा कि ये घटनाएं बताती हैं कि मध्यकालीन राजनीतिक गठबंधन शासन, निष्ठा और सैन्य रणनीति पर आधारित थे, न कि आज थोपे जा रहे सांप्रदायिक नजरिए पर। फिल्म के टीजर की सोशल मीडिया पर तारीफ और आलोचना, दोनों हुई।

एक्ट्रेस स्वरा भास्कर ने कश्मीर में पैलेट गन के सबसे कम उम्र के पीड़ित से जुड़ी एक खबर शेयर करते हुए लिखा कि पैलेट गन कम नुकसान नहीं पहुंचाती, बल्कि यह गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन है।

उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यधारा के कश्मीरी पठान नहीं हैं और पोस्ट के साथ 'विवेक अग्निहोत्री-फिकेशन ऑफ बॉलीवुड' लिखा।

जियो स्टूडियोज और कलर येलो प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी ज्योति देशपांडे, आनंद एल राय और हिमांशु शर्मा की यह फिल्म 1 अक्टूबर को रिलीज होगी।

राजकुमार हिरानी का ओटीटी डेब्यू, बोले बेचैनी नई कहानी तक ले जाती है

मुंबई। साइबर क्राइम जैसे गंभीर विषय को मनोरंजक अंदाज में पर्दे पर लाने की तैयारी कर रहे राजकुमार हिरानी अपनी पहली वेब सीरीज 'प्रीतम एंड पेड्रो' से ओटीटी डेब्यू कर रहे हैं। उन्होंने कहानी के आइडिया, फिल्म और ओटीटी में फर्क, क्रिएटिव प्रोसेस, दर्शकों की उम्मीदों और सीरीज के भावनात्मक संदेश पर बात की। सवालः 'प्रीतम एंड पेड्रो' की कहानी का आइडिया कैसे आया? कब लगा कि यही कहानी बनानी चाहिए? जवाबः इस कहानी की शुरुआत कुछ छोटी कहानियों से हुई। मैंने साइबर क्राइम पर लिखी कुछ शॉर्ट स्टोरी पढ़ी थीं। उनसे समझ आया कि साइबर क्राइम कैसे होता है, उसे कैसे सुलझाया जाता है और उससे कैसे बचा जा सकता है। उसी दौरान लगा कि इस विषय में एक बड़ी और दिलचस्प कहानी बन सकती है। फिर किरदारों पर काम शुरू किया। धीरे-धीरे कहानी विकसित हुई, गोवा की सेटिंग आई, एक क्राइम ब्रांच का पुलिस ऑफिसर और एक हैकर जुड़ा। इस तरह पूरी दुनिया तैयार होती चली गई। सवालः आपकी फिल्मों में अक्सर ह्यूमर के साथ एक गहरा मैसेज भी होता है। क्या इस सीरीज में भी दर्शकों को वैसा कुछ देखने मिलेगा? जवाबः देखिए, हमारी कोशिश हमेशा पहले दर्शकों का मनोरंजन करने की होती है। हम यह सोचकर कहानी नहीं बनाते कि हर बार कोई संदेश देना है। लेकिन इंसानी रिश्तों और समाज से जुड़ी कहानी में कुछ बातें अपने आप सामने आ जाती हैं। इस सीरीज में भी ऐसा ही है। यह साइबर क्राइम की कहानी है, लेकिन इसे हल्के और मनोरंजक अंदाज में बताया गया है। कहानी के आखिर में एक छोटा सा मैसेज जरूर आता है, लेकिन वह थोपा हुआ नहीं लगेगा। सवालः फिल्मों और ओटीटी के लिए कहानी लिखने में सबसे बड़ा फर्क क्या होता है? जवाबः कुछ कहानियां ऐसी होती हैं जिन्हें आप दो या ढाई घंटे में कह सकते हैं, लेकिन कुछ कहानियों को ज्यादा समय चाहिए होता है। ओटीटी आपको किरदारों को गहराई से दिखाने, उनके सफर को विस्तार देने और कई ट्रैक साथ चलाने का मौका देता है। फिल्मों में यह आजादी कम होती है। इसलिए कुछ कहानियां वेब सीरीज के लिए ज्यादा सही होती हैं। सवाल 4: इस बार ह्यूमर में नया क्या देखने को मिलेगा? जवाबः ह्यूमर हमेशा किरदारों से निकलता है। नए किरदारों का व्यवहार और सोच भी अलग होती है। इस सीरीज में 'पेड्रो' ऐसा किरदार है जिसकी अपनी अलग दुनिया है। वह लोगों से जिस तरह बात करता है और केस को देखता-सुलझाता है, उसी से ह्यूमर निकलता है। सवालः गोवा इस कहानी का हिस्सा कैसे बना? जवाबः दिलचस्प बात यह है कि शुरुआत में कहानी गोवा में नहीं थी। हमने पहला ड्राफ्ट हरियाणा को ध्यान में रखकर में लिखा था। लेकिन बाद में मैं और अभिजीत लिखने के लिए गोवा गए। वहां का माहौल, लोग और अनुभव अलग लगे, जिससे कहानी धीरे-धीरे बदलती गई और आखिर में इसे गोवा में सेट कर दिया। कई बार जगह खुद कहानी बदल देती है।

सवालः गोवा में शूटिंग का कोई ऐसा किस्सा जो आज भी याद आता हो? जवाबः एक मजेदार किस्सा यह हुआ कि हमारा एक असिस्टेंट गोवा पहुंचते ही छुट्टी वाले मूड में आ गया। एक रात वह दोस्त की कार लेकर घूमने गया और सुबह कार की हालत खराब करके लौटा।

सबसे मजेदार बात यह थी कि अगले दिन वह ऐसे बैठा था जैसे कुछ हुआ ही नहीं। तब समझ आया कि गोवा ऐसी जगह है जहां कहानी अपने आप बनने लगती है। सवालः सेट पर एक्टर्स और टीम के सुझावों को कितना महत्व देते हैं? जवाबः सिनेमा पूरी तरह टीमवर्क है।

यह किसी एक इंसान का काम नहीं है। आप कहानी लिख लेते हैं, लेकिन उसके बाद कैमरा, म्यूजिक, डायरेक्शन और एक्टर्स मिलकर उसे बेहतर बनाते हैं। हर इंसान अपना नजरिया लेकर आता है। जितना खुलकर आप सबकी राय लेते हैं, काम उतना बेहतर होता जाता है। सवालः आपकी फिल्मों से दर्शकों की उम्मीदें बहुत ज्यादा रहती हैं। क्या इसका दबाव महसूस होता है? जवाबः दबाव से ज्यादा यह एक चुनौती होती है। हर बार आपको नई कहानी खोजनी पड़ती है।

मेरा मानना है कि फिल्म ऐसी चीज नहीं है जिसे लोग बार-बार एक जैसा देखना चाहें। हर बार कुछ नया देना जरूरी होता है। इसी वजह से स्क्रिप्ट को लेकर लगातार सोच चलता रहता है कि क्या नया किया जाए। कई बार फ्रस्ट्रेशन भी होता है। लगता है कि सही आइडिया क्यों नहीं मिल रहा।

लेकिन जब कहानी का कोई हिस्सा खुलता है तो उसकी खुशी भी उतनी ही बड़ी होती है। राइटिंग ऐसा काम है जो कभी खत्म नहीं होता। आप काम बंद कर देते हैं, लेकिन दिमाग कहानी में लगा रहता है।

कई बार नई कहानी की तलाश आपको सोने भी नहीं देती। सवालः अगर एक लाइन में 'प्रीतम एंड पेड्रो' को बताना हो तो क्या कहेंगे?जवाबः यह दो बिल्कुल अलग तरह के लोगों की कहानी है, जो एक साथ आते हैं। उनके जरिए हम साइबर क्राइम की दुनिया दिखाते हैं। यह एक हार्ट-वॉर्मिंग कहानी है, जिसमें मनोरंजन, रिश्ते और एक खूबसूरत सफर भी है।

क्या वॉशिंग मशीन बालकनी में रखना सही, जानें मेंटेनेंस टिप्स, कुछ सावधानियां

अहमदाबाद। वॉशिंग मशीन आज लगभग हर घर की जरूरत बन चुकी है। ज्यादातर घरों में यह आपको बालकनी में रखी मिलेगी। लोग जगह बचाने के लिए ऐसा करते हैं। यह सुविधाजनक तो है, लेकिन इसके नुकसान भी हैं। खुले स्पेस के कारण धूप, बारिश, नमी और धूल सबका असर सीधे मशीन पर पड़ता है।

इससे मशीन का परफॉर्मेंस बिगड़ता है और जल्दी खराब होने का रिस्क बढ़ जाता है। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि वॉशिंग मशीन रखने के लिए सबसे सुरक्षित जगह कौन-सी है। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में समझेंगे कि वॉशिंग मशीन को सुरक्षित कैसे रखें। साथ ही जानेंगे कि- इसे घर के अंदर रखना चाहिए या बालकनी में? किन गलतियों से मशीन जल्दी खराब होती है? विषय को और समझेंगे एक्सपर्टः शशिकांत उपाध्याय, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर, अहमदाबाद जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- क्या वॉशिंग मशीन को बालकनी में रखना सही है? जवाब- हां, यह इस पर निर्भर है कि बालकनी कैसी है। ऐसी बालकनी में मशीन रख सकते हैं- जो हवादार हो, लेकिन एकदम ओपेन न हो। जो खुली हो, लेकिन धूल-मिट्?टी से प्रोटेक्टेड भी हो। जहां पर प्रॉपर शेड (छाया) हो। जहां सीधे धूप न आती हो। जहां बारिश का पानी न आता हो। जहां मोटी वायरिंग वाला पावर सॉकेट हो। सवाल- क्या धूप, बारिश और धूल मशीन को नुकसान पहुंचाते हैं? जवाब- हां, धूप, बारिश और धूल तीनों वॉशिंग मशीन के लिए नुकसानदायक हैं। इनके एक्सपोजर से लंबे समय में मशीन का परफॉर्मेंस और लाइफ

कम हो सकते हैं। सवाल- अगर मशीन पर डायरेक्ट सनलाइट पड़े तो इससे क्या नुकसान होगा? जवाब- लगातार युवी किरणों और गर्मी के संपर्क में आने से मशीन के बाहरी और अंदरूनी पाट्र्स पर सीधा असर पड़ता है। धूप से वॉशिंग मशीन को नुकसानः-प्लास्टिक कमजोर होता है। रबर पाट्र्स सुख सकते हैं। मशीन का रंग फीका पड़ सकता है। बॉडी में क्रैक आ सकता है। ओवरहीटिंग का रिस्क बढ़ता है। मशीन की लाइफ कम होती है। बारिश में भीगने से मशीन का इलेक्ट्रिकल सिस्टम खराब हो सकता है।सवाल- ओपन स्पेस में धूल-मिट्?टी ज्यादा होती है। वहां वॉशिंग मशीन रखने से क्या नुकसान होगा? जवाब- खुले और धूल भरे माहौल में रखी वॉशिंग मशीन के अंदर गंदगी जमा हो सकती है, जिससे मशीन का परफॉर्मेंस और उसके पाट्र्स, दोनों प्रभावित होते हैं। धूल से वॉशिंग मशीन को नुकसान- मोटर जाम हो सकती है। फिल्टर ब्लॉक हो सकते हैं। आवाज, वाइब्रेशन बढ़ सकता है। मशीन जल्दी खराब हो सकती है। परफॉर्मेंस स्लो हो सकता है। सवाल- क्या फ्रंट लोड और टॉप लोड मशीन के लिए नियम अलग होते हैं? जवाब- हां, दोनों तरह की मशीन के नियम अलग होते हैं। दरअसल, दोनों की डिजाइन, वाटर मैनेजमेंट और वाइब्रेशन पैटर्न अलग होते हैं। इसलिए दोनों के प्लेसमेंट, मेंटेनेंस और आउटडोर (बालकनी) सेफ्टी गाइडलाइन भी अलग होती हैं। पॉइंटर्स से समझते हैं- फ्रंट लोड मशीन के नियम-हर वॉश के बाद डोर थोड़ा खुला छोड़ें।

रबर गैस्केट को सूखे कपड़े से साफ करें। ज्यादा झाग वाला डिटर्जेंट न डालें। मशीन को बिल्कुल समतल जगह पर रखें। लंबे समय तक धूप और बारिश से बचाएं। ओवरलोडिंग से बचें। टॉप लोड मशीन के लिए खास नियमः-ऊपर ढक्कन खोलने के लिए पर्याप्त स्पेस रखें। पानी का प्रेशर सही रखें। लिंट फिल्टर नियमित साफ करें। यह वॉशिंग मशीन का वो हिस्सा है, जो कपड़ों से निकले रेशे, बाल और गंदगी को पकड़कर मशीन को चोक होने से बचाता है। मशीन को दीवार से थोड़ा दूर रखें ताकि हवा आती-जाती रहे। बहुत हैवी कपड़े एक साथ न डालें। अगर मशीन बालकनी में रखी है तो फ्रंट लोड मशीन में नमी की समस्या ज्यादा होती है। टॉप लोड मशीन में ऊपर से धूल और पानी जाने का खतरा ज्यादा रहता है। दोनों मशीनों को डायरेक्ट सनलाइट और बारिश से बचाना जरूरी है। फ्रंट लोड मशीनः-डोर खुला रखें। एचई डिटर्जेंट यूज करें। गैस्केट साफ करें। ओवरलोड न करें। समतल जगह पर रखें। टॉप लोड मशीनः-ऊपर स्पेस रखें। लिट फिल्टर साफ करें। भारी कपड़े लिमिट में डालें। सवाल- वॉशिंग मशीन को बालकनी में रखने के लिए कंपनियों की क्या गाइडलाइंस हैं? जवाब- कंपनियां आमतौर पर सीधे 'बालकनी' जैसे शब्द इस्तेमाल नहीं करती हैं। ज्यादातर ब्रांड्स अपनी गाइडलाइन में यह लिखते हैं कि- मशीन को सीधे धूप से बचाएं। बारिश में भीगने से बचाएं। धूल से बचाकर रखें। अगर मशीन को ओपन या आउटडोर एरिया में रखने से कोई पार्ट डैमेज होता है, तो वारंटी क्लेम रिजेक्ट हो सकता है। सवाल- मशीन को बालकनी में रखते हुए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? जवाब- इसके लिए जरूरी है कि बालकनी में शेड हो, सीधी धूप न आती हो। वॉशिंग मशीन 12 बातें ध्यान रखें मशीन को हमेशा शेड में रखें। सीधे धूप और बारिश से बचाएं। मशीन के नीचे स्टैंड लगाएं। मशीन पर कवर लगाएं। आसपास पानी जमा न होने दें। प्लग और वायर सूखा रखें। बालकनी में वेंटिलेशन रखें। मशीन दीवार से दूर रखें। मशीन समतल जगह पर रखें। मशीन पर भारी सामान न रखें। यूज के बाद थोड़ी देर ढक्कन खुला रखें। मशीन की रेगुलर सफाई:-करें। सवाल- क्या यूवी किरणें मशीन की बॉडी और पैनल खराब कर सकती हैं? जवाब- हां, ये मशीन की प्लास्टिक बॉडी को फेड और क्रैक कर सकती हैं। इसके अलावा- रबर पाट्र्स को ड्राई और कमजोर कर सकती हैं। कंट्रोल पैनल का परफॉर्मेंस भी खराब कर सकती हैं। सवाल- वॉशिंग मशीन को डायरेक्ट सनलाइट से बचाने के लिए क्या करें? जवाब- इसके लिए जरूरी है कि वॉशिंग मशीन रखते समय शेड, इंसुलेशन और सही पोजिशनिंग, तीनों का ध्यान रखें। वॉशिंग मशीन को सनलाइट से कैसे बचाएं? शेड नहीं है तो पहले शेड लगवाएं। बालकनी में सन ब्लाइंड या पर्दे लगाए। खस की घास के पर्दे लगा सकते हैं। मशीन के आसपास वेंटिलेशन रखें। मशीन को सीधे धूप वाली दिशा से हटाकर रखें। मशीन पर यूवी प्रोटेक्टेड कवर लगाएं। सवाल- क्या गर्मियों में खुली बालकनी में मशीन के ओवरहीट होने का रिस्क होता है? जवाब- हां, तेज धूप और ज्यादा टेम्परेचर की वजह से मशीन के अंदर की मोटर और इलेक्ट्रॉनिक पाट्र्स पर एक्स्ट्रा थर्मल लोड पड़ता है। इससे परफॉर्मेंस प्रभावित होता है और मशीन खराब भी हो सकती है। सवाल- क्या धूप में मशीन का रंग फीका पड़ सकता है? जवाब- हां, अगर मशीन डायरेक्ट सनलाइट में है और उस पर लगातार तेज धूप पड़ रही है तो उसका रंग फीका पड़ सकता है। इसका कारण ये है कि-युवी किरणें पेंट के केमिकल बॉन्ड को धीरे-धीरे तोड़ने लगती हैं। इससे मशीन का पेंट डैमेज होने लगता है। तेज धूप के कारण पेंट सूखकर कमजोर हो जाता है। इससे पेंट का शाइन कम हो जाता है और उखड़ने लगता है। इससे मशीन पुरानी और बेजान दिखने लगती है। सवाल- बालकनी में रखने पर क्या धूल-मिट्टी मशीन के मोटर/फिल्टर में जमा होकर मशीन को खराब कर सकती है? जवाब- हां, इससे कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं। जैसे- एयरफ्लो बाधित होता है। मोटर पर लोड बढ़ता है। फिल्टर (खासतौर पर टॉप लोड में लिंट फिल्टर) जल्दी चोक हो सकता है। परफॉर्मेंस खराब हो सकता है। सवाल- क्या वॉशिंग मशीन पर कवर लगाना जरूरी है? जवाब- हां, कवर मशीन को धूप, धूल-मिट्टी और नमी से बचाता है। हालांकि, मशीन इस्तेमाल करते समय कवर हटाना और वेंटिलेशन बनाए रखना जरूरी है, ताकि नमी मशीन में न फंसे। सवाल- कौन-सा कवर बेहतर है- वाटरप्रूफ या फैब्रिक? जवाब- पॉइंटर्स से समझिए- अगर मशीन खुले में रखी है तो वाटरप्रूफ कवर बेहतर है। ये मशीन को बारिश, नमी और धूल से ज्यादा सुरक्षा देता है। लेकिन कवर में वेंटिलेशन जरूर होना चाहिए। अगर मशीन कवर्ड जगह (बाथरूम, किचन, कवर्ड स्पेस) में रखी है तो फैब्रिक का कवर भी ठीक है। इससे हवा पास होती रहती है, इसलिए नमी नहीं फंसती है। सवाल- क्या कवर हर वक्त लगाकर रखना चाहिए? जवाब- नहीं, वॉशिंग मशीन का कवर हर वक्त लगाकर रखना सही नहीं है। मशीन इस्तेमाल करने के तुरंत बाद कवर न लगाएं। लगातार ढंककर रखने से अंदर नमी फंस सकती है। इससे बदबू, फंगस और जंग की समस्या हो सकती है। जब मशीन इस्तेमाल में न हो, तब कवर लगाना बेहतर है। कवर ब्रीदेबल (हवा पास करने वाला) हो तो बेहतर है। सवाल- बालकनी में रखी मशीन की सफाई कैसे करें? जवाब- पॉइंटर्स से समझते हैं- हफ्ते में 1-2 बार सूखे/हल्के गीले कपड़े से बॉडी साफ करें। हर 1-2 वॉश के बाद लिंट फिल्टर साफ करें। महीने में 1 बार हॉट वाटर/क्लीनर से ड्रम को साफ करें। रबर गैस्केट पोंछकर रखें। वॉश के बाद डोर/ढक्कन खुला छोड़ें। सवाल- कितने दिनों में मशीन की सर्विसिंग करानी चाहिए? जवाब- पॉइंटर्स से समझते हैं-आमतौर पर वॉशिंग मशीन की सर्विसिंग हर 6-12 महीने में करानी चाहिए। अगर कोई समस्या हो, मशीन से ज्यादा आवाज आए या चोक हो तो तुरंत सर्विसिंग कराएं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।